संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -146 शुक्रवार , 29 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

डराना-धमकाना कांग्रेस की संस्कृति

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को 600 वकीलों की चिट्ठी पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली,28 मार्च 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को देशभर के प्रमुख वकीलों ने चिट्ठी लिखी है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। पीएम मोदी ने कहा, दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। करीब 50 साल पहले कांग्रेस ने बेशर्मी से अपने स्वार्थों को दुनिया के सामने रखा था। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी देश के प्रति किसी भी तरह से प्रतिबद्ध होना नहीं चाहती।

पीएम मोदी ने जाने-माने वकीलों की चिट्ठी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रिपोस्ट करते हुए लिखा, पांच दशक पहले ही कांग्रेस पार्टी ने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था। वे (कांग्रेस) बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता तो चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता

से बचती है। अब कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं.।

पीएम मोदी का ये बयान हरीश साल्वे और बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत 600 से ज्यादा वकीलों के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को लिखी चिट्ठी के बाद आया है। 600 से अधिक वकीलों ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी में कहा है कि एक खास ग्रूप का काम अदालती फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव डालना है, विशेष रूप से ऐसे मामलों में जिनसे या तो नेता जुड़े हुए हैं या फिर जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। चिट्ठी में कहा गया है कि इनकी गतिविधियां देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने और न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास के लिए खतरा है। वकीलों का आरोप है कि ये अजीब है कि नेता किसी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं और फिर अदालत में उनका बचाव करते हैं. ऐसे में अगर अदालत का फैसला उनके मनमाफिक नहीं आता तो वे कोर्ट के भीतर ही या फिर मीडिया के जरिए अदालत की आलोचना करना शुरू कर देते हैं।

इससे पहले ऑल मणिपुर बार एसोसिएशन ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर न्यायपालिका पर हो रहे सीक्रेट अटैक के खिलाफ बोलने की जरूरत पर जोर दिया था। चिट्ठी में बार एसोसिएशन ने कहा था कि वह हाल के रुझानों को लेकर बेहद चिंतित हैं, जहां निहित स्वार्थी समूह तुच्छ तर्क और राजनीतिक एजेंडे के साथ अदालतों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

- आईटी के फैसले के खिलाफ याचिका खारिज
- अभी फीज रहेंगे बैंक अकाउंट

नई दिल्ली,28 मार्च 2024 (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट से कांग्रेस पार्टी को आज बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने टैक्स अधिकारियों द्वारा कांग्रेस के खिलाफ चार साल की अवधि के लिए टैक्स रिअसेसमेंट कार्यवाही शुरू करने को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दीं।

इसके साथ ही अब कांग्रेस के बैंक अकाउंट कोर्ट का फैसला आने तक फ्रीज रहेंगे।

टैक्स की जांच का है मामला

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि एक और वर्ष के लिए टैक्स के पुनर्मूल्यांकन करने में हस्तक्षेप करने के लिए हम पहले भी इनकार कर चुके हैं और उस फैसले के खिलाफ याचिकाएं फिर खारिज की जाती हैं। मौजूदा मामला आकलन वर्ष 2017 से 2021 तक का है।

पिछली याचिका में जिसे पिछले सप्ताह खारिज कर दिया गया था, कांग्रेस पार्टी ने मूल्यांकन वर्ष 2014-15 से 2016-17 से संबंधित पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने को चुनौती दी थी।

शहजाद पूनावाला ने कसा तंज

मामला पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ये पहली बार नहीं है जब उच्च न्यायालय ने कांग्रेस के बेतुके प्रोपेगेंडा को खारिज करने का काम किया है। जब कांग्रेस के पास पर्याप्त समय था तब वे उच्च न्यायालय या किसी आधिकारी के पास नहीं गए और अब वे लोग प्रतिशोध-प्रतिशोध चिल्ला रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि यदि कांग्रेस के परिवार के अस्तित्व या उनके भ्रष्टाचार पर जनता करारी चोट करती है, तो वे इसे लोकतंत्र पर चोट बताते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बीजेपी ने जारी की उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट

नवनीत राणा को अमरावती से बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली,28 मार्च 2024 (ए)। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उम्मीदवारों की सातवीं लिस्ट जारी की। इसमें अमरावती से नवनीत राणा को अपना उम्मीदवार बनाया है। नवनीत राणा अमरावती से निर्दलीय सांसद हैं। सनातन विचारधारा और उद्धव ठाकरे के खिलाफ बयानबाजी को लेकर नवनीत चर्चाओं में रहीं।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ को लेकर हुए विवाद में नवनीत और उनके पति रवि राणा को जेल भी जाना पड़ा था। इसके अलावा कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गोविंद कजरोल को टिकट दिया गया है।

चुनाव में टिकट न मिलने पर सांसद ने निगला जहर

चेन्नई ,28 मार्च 2024 (ए)।तमिलनाडु के इरोड लोकसभा क्षेत्र से एमडीएमके सांसद ए. गणेशमूर्ति (76) का गुरुवार सुबह कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। लोकसभा का टिकट नहीं मिलने से वह परेशान थे। उन्होंने रविवार को जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

शुरू में उन्हें इरोड के स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। उनके रिश्तेदारों के अनुसार, गणेशमूर्ति ने रविवार को कीटनाशक खा लिया था।

नगालैंड में बढ़ाया गया 6 महीने के लिए एएफएसपीए

आठ जिलों को अशांत घोषित किया

नई दिल्ली,28 मार्च 2024 (ए)। केंद्र सरकार ने नगालैंड के 8 जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों को अशांत घोषित कर दिया है। इसी के साथ केंद्र सरकार ने इन सभी जगहों पर अगले 6 महीने के लिए एएफएसपीए को बढ़ा दिया है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद ये फैसला लिया गया है।

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एक अधिसूचना के माध्यम से घोषणा की। जिसमें कहा गया कि नगालैंड के दीमापुर,न्यूलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों में एएफएसपीए को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।

इसके अलावा, एएफएसपीए को नगालैंड के पांच जिलों में 21 पुलिस स्टेशनों, जुन्हेबोटो और मोकोकचुंग जिलों में छह-छह पुलिस स्टेशनों के

अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में बढ़ा दिया गया है; कोहिमा में पांच पुलिस स्टेशन; वोखा में तीन पुलिस स्टेशन और लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन शामिल हैं।

21 पुलिस स्टेशन भी हैं शामिल

इन 21 पुलिस स्टेशनों में कोहिमा जिले के खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण, जुब्ज़ा और केज़ोचा पुलिस स्टेशन शामिल हैं; मोकोकचुंग जिले में मंगकोलेम्बा, मोकोकचुंग-प्रथम लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी 'सी' पुलिस स्टेशन; लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन; वोखा जिले में भंडारी,चंपांग और रालन पुलिस स्टेशन और जुन्हेबोटो जिले में घटाशी,पुघोबोटो, सताखा, सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनाटो पुलिस स्टेशन शामिल हैं।

अधिसूचना में कहा गया, नगालैंड में दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिले और नगालैंड के क्षेत्र प्रथम) कोहिमा जिले के खुजामा, कोहिमा उत्तर,कोहिमा दक्षिण, जुब्ज़ा और केज़ोचा पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं; द्वितीय) मोकोकचुंग जिले में मंगकोलेम्बा, मोकोकचुंग-प्रथम,लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी 'सी' पुलिस स्टेशन; तृतीय) लॉन्गलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन; चतुर्थ) वोखा जिले में भंडारी, चंपांग और रालन पुलिस स्टेशन; और पंचम) घटाशी, पुघोबोटो, जुन्हेबोटो जिले के सताखा, सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनाटो पुलिस स्टेशनों को 1 अप्रैल, 2023 से छह महीने की अवधि के लिए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 की धारा 3 के तहत 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया जाता है।केंद्र ने नगालैंड राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की आगे की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया।

दूसरे चरण की अधिसूचना जारी

88 सीटों पर होगा चुनाव

नई दिल्ली,28 मार्च 2024 (ए)। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना गुरूवार को जारी कर दी। इस चरण में 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 88 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 13 विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी इसी चरण में मतदान होगा।निर्वाचन आयोग के अनुसार बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव के लिए अधिसूचना पहले चरण के साथ की गयी थी। दूसरे चरण में मणिपुर की इस सीट के अलावा असम , बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की 88 सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा। उम्मीदवार चार अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे और जम्मू कश्मीर को छोड़कर अन्य राज्यों में नामांकन पत्रों की जांच पांच अप्रैल को की जायेगी। जम्मू कश्मीर में नामांकन पत्रों की जांच 6 अप्रैल को की जायेगी। उम्मीदवार आठ अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होगा।

अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव को तैयार मोदी सरकार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिए संकेत

नई दिल्ली ,28 मार्च 2024 (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज बड़ा बयान देते हुए कहा कि उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। एक मीडिया हाउस के समिट में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने आगे कहा,रक्षा बलों में युवावस्था आवश्यक है। सेना में युवावस्था होनी चाहिए। मुझे लगता है कि युवा अधिक उत्साही हैं। वे अधिक तकनीक-प्रेमी हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित है। जरूरत पड़ी तो हम इस स्कीम में बदलाव भी करेंगे। जमीन पर कब्जा करने के विपक्ष के दावे

पर सिंह ने कहा कि देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं, रक्षा मंत्री ने कहा, हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा रखना चाहिए। मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारा देश और इसकी सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं।

केजरीवाल 1 अप्रैल तक ईडी की रिमांड पर रहेंगे

नई दिल्ली ,28 मार्च 2024 (ए)। कथित शराब नीति केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज कोर्ट से झटका लगा है। केजरीवाल 1 अप्रैल तक प्रवर्तन निदेशालय के रिमांड पर रहेंगे। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक बार फिर उनकी रिमांड की अवधि को बढ़ा दिया है। ईडी ने केजरीवाल की कस्टडी सात दिन के लिए बढ़ाने की मांग की थी।ईडी ने रिमांड मांगते हुए कहा कि मोबाइल फोन से डेटा निकाला गया है और उसका विश्लेषण किया जा रहा है। हालांकि 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल के परिसर में तलाशी के दौरान जब्त किए गए अन्य चार डिजिटल उपकरणों का डेटा अभी तक नहीं निकाला जा सका है। ईडी ने कोर्ट से केजरीवाल की 7 दिन की कस्टडी और मांगी थी। दलीलें सुनने के बाद राऊज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया था। कोर्ट में सुनवाई दोपहर 1.59 बजे शुरू होकर दोपहर 2.39 बजे खत्म हुई। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि इस केस में मेरा नाम सिर्फ चार जगह आया है। 4 स्टेटमेंट दिए गए और उनमें से कोर्ट के सामने वो बयान लाया गया, जिसमें मुझे फंसाया गया।

महुआ मोइत्रा फेमा केस में ईडी के सामने नहीं होंगी पेश

नई दिल्ली ,28 मार्च 2024 (ए)। महुआ मोइत्रा ने ईडी के समन पर पेश होने से इनकार कर दिया है। ईडी ने मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को समन जारी कर गुरुवार को पूछताछ करने के लिए बुलाया था। दोनों के खिलाफ एजेंसी ने फेमा यानी विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। इसी मामले में पूछताछ के लिए दोनों को एजेंसी की ओर से समन जारी किया गया था। महुआ मोइत्रा ने तो पेशी से इनकार कर दिया है और उनका कहना है कि वह चुनाव प्रचार में बिजी हैं। इसलिए वक्त की कमी है। वहीं दर्शन हीरानंदानी की प्रतिक्रिया अब तक सामने नहीं आई है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों का कहना है कि महुआ मोइत्रा को नॉन-रेजिडेंट एक्सटर्नल अकाउंट से लेनदेन हुआ है। इसके अलावा भी विदेश से फंड ट्रांसफर हुआ है और रकम आई है। ऐसे में इस मामले की पूछताछ एजेंसी करना चाहती है। वह महुआ मोइत्रा और दर्शन हीरानंदानी से पूछताछ करना चाहती है कि यह रकम कहां से आई और किस मकसद से ट्रांसफर की गई थी। महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई भी जांच कर रही है।

न्यायपालिका की अखंडता खतरे में है

500 से ज्यादा वकीलों ने लिखा सीजेआईको पत्र

नई दिल्ली ,28 मार्च 2024 (ए)। देश के प्रसिद्ध 500 से अधिक वकीलों ने चीफ जस्टिस आफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। पत्र लिखने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे से लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत तमाम प्रमुख नाम शामिल हैं। इन वकीलों ने चिट्ठी में न्यापालिका की अखंडता पर खतरे को लेकर चिंता जताई है। इन वकीलों का कहना है कि कुछ 'खास समूह' न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं और कोर्ट के फैसलों पर असर डाल रहे हैं।पत्र में कहा गया है कि यह समूह राजनीतिक एजेडों के साथ आधारहीन आरोप लगा रहे हैं और

न्यायपालिका की छवि के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं।पत्र में किसी भी राजनीतिक दल का नाम लिए बगैर इस पहलू पर चिंता व्यक्त की गई है कि एक एजेंडे के तहत न्यायपालिका को बदनाम किया जा रहा है। वकीलों ने न्यायपालिका की अखंडता को कमजोर करने के ऐसे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की है। पत्र में कहा गया है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में न्यायपालिका को प्रभावित करने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। यही नहीं, जनता में अदालत के प्रति भरोसे को कमजोर करने के लिए न्यायपालिका की मौजूदा कार्यवाही और अतीत को लेकर झूठा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर सी आई एस एफ जवान ने खुद को गोली मारी

कोलकाता ,28 मार्च 2024 (ए)। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार को एक सीआईएसएफ जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मॉर्निंग रूटिंग के दौरान एयरपोर्ट पर तैनात सभी जवान गोली की आवाज सुनकर

अलर्ट हो गए। इसके बाद जब सभी घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने वहां अपने साथी जवान को खून से लथपथ अजमीन पर गिरा हुआ पाया।जवान को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन, उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान की पहचान सी विष्णु (25) के रूप में हुई है। वह 2022 में सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था। वह मूल रूप से तेलंगाना का रहने वाला था। इस घटना के बाद एयरपोर्ट परिसर पर स्थिति तनावग्रस्त है। सीआईएसफ के शीर्ष अधिकारी स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर घटनास्थल पर पहुंचे।

दो लड़कियों ने पार की बेशर्मी की हदें

पुलिस ने किया गिरफ्तार,

नई दिल्ली ,28 मार्च 2024 (ए)। होली के आसपास दो लड़कियों के कई वीडियो वायरल हुए। ये वीडियो आपत्तिजनक थे और इन्हें सार्वजनिक स्थलों पर शूट किया गया था। सभी वीडियो में लड़कियां एक-दूसरे को रंग लगाती हुई दिखीं। कोई वीडियो दिल्ली मेट्रो में शूट किया गया था तो कोई चलती हुई स्कूटी पर। इस मामले में नोएडा पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए दोनों रीलबाज लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया है। लड़कियों के नाम प्रीति और विनीता हैं और इनका साथी पीयूष भी पकड़ा गया है।वही, विनीता ने 33 हजार रुपये के चालान पर कहा, मैं सबसे माफी मांगना चाहती हूं. मैं इतना

पैसा नहीं भर सकती। होली की खुशी में हमने वीडियो बना दिया. मेरे में टैलेंट है तो वीडियो बना लिया। इन लड़कियों का स्कूटी पर अश्लील तरीके से होली खेलने का वीडियो होली के दिन वायरल हुआ था। इसमें दिखाई दे रहा था कि लड़का पीयूष स्कूटी चला रहा है, जबकि दोनों लड़कियां पीछे बैठकर एक-दूसरे को अश्लील तरीके से कलर लगा रही हैं. इस दौरान वो फूहड़ तरीके से एक्टिंग भी कर रही हैं। कोर्ट से उन्हें जमानत नहीं मिली है, जिसके चलते वह अब पुलिस हिरासत में हैं।

संपादकीय

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ 31 मार्च को रैली

विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया' देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करेगा।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले के संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बृहस्पतिवार 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था, जिसके बाद आप की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय और कांग्रेस पार्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महारैली घोषणा की है।आप इंडिया'-इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस-का घटक दल है। महारैली में इंडिया' गठबंधन का शीर्ष नेतृत्व शिरकत करेगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को समान अवसर नहीं दिए जा रहे हैं। लवली ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर रोष जताते हुए अपनी पार्टी के खातों को फ्रीज' (लेन देन पर रोक) का भी जिक्र किया।कहा कि महारैली न सिर्फ राजनीतिक रैली होगी, बल्कि देश में लोकतंत्र को बचाने और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ साझा आवाज उठाने का भी आह्वान करेगी।बहरहाल, केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की ऐसी तैयारियों से लगता है कि वह अपने प्रति आम जन के मन में सहानुभूति पैदा करना चाहता है।दरअसल, आप और इंडिया' गठबंधन को लगता है कि अन्ना आंदोलन से निकले केजरीवाल की ईमानदार होने की जो छवि है, उसे सहानुभूति में बदला जाए।विपक्ष इसलिए भी उत्साहित है कि एक जमाने में इंदिरा गांधी, जयललिता और लालू प्रसाद यादव ने अपनी गिरफ्तारी पर स्वयं को उत्पीड़ित दिखाकर आम जन के मन में सहानुभूति की लहर पैदा कर दी थी। और इसके सहारे राजनीतिक रूप से कमबैक करने में सफल रहे।बेशक, जनता के मन में यह भाव रहा है कि केजरीवाल सरकार को काम नहीं करने दिया जा रहा। उपराज्यपाल के साथ उनकी सरकार के टकराव से इस धारणा को बल मिला है। कई मौकों पर उपराज्यपाल के निर्देश और आदेशों के खिलाफ अदालत का दरवाजा तक खटखटाया गया और इसका स्पष्ट संदेश भी जनता तक इस रूप में पहुंचा कि केंद्र केजरीवाल सरकार के कामकाज में अड़चन डाल रहा है।केजरीवाल भी बड़ी कुशलता से संदेश आम जन तक पहुंचाने में सफल रहे हैं। समूचा विपक्ष अब इसी प्रकार की सिपेथी' की तलाश में है।

मुद्दा : जन सरोकार व संघ का विस्तार

नागपुर में संपन्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिनिधि सभा के दौरान संपूर्ण भारत और भारत में अभिरु चि रखने वाले विश्व भर के मीडिया का एकत्रीकरण था।सामने लोक सभा चुनाव के कारण ऐसा लग रहा था कि वहां से इसके संबंध में कुछ रणनीति ऐसी बनेगी, ऐसा वक्तव्य आएगा जो समाचार, बहस और विचार की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होगा। लंबे अनुभव के बावजूद पत्रकारों और मीडिया संस्थानों की धारणा बदली नहीं है कि चुनाव या राजनीतिक दल या सरकार को फोकस करके संघ के आयोजन नहीं होते। यह संभव नहीं कि चुनाव हो और इसमें संघ की अभिरु चि नहीं हो या उसमें उनकी कोई भूमिका हो ही नहीं।यह भूमिका किस रूप में हो सकती है? इस बारे में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का वक्तव्य ध्यातव्य है-चुनाव देश के लोकतंत्र का महापर्व हैं। संघ के स्वयंसेवक सौ प्रतिशत मतदान के लिए समाज में जन-जागरण करेंगे। समाज में इसके संदर्भ में कोई भी वैमनस्य, अलगाव, बिखराव या एकता के विपरीत कोई बात न हो, इसके प्रति समाज जागृत रहे। राजनीति और चुनाव को सर्वोपरि मान लेने वाले इस माहौल में सहसा विश्वास करना कठिन है कि देश का सबसे बड़ा स्वयंसेवकों का संगठन मतदाता जागरूकता या समाज में सौमनस्य आदि की दृष्टि से ही चुनाव के दौरान काम करेगा।यह पत्रकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेवारी है कि देखें कि ऐसा होता है या नहीं? ऐसे सभी संगठनों, जो सीधे दलीय चुनावी राजनीति में शामिल नहीं हैं, की यही यथेष्ट भूमिका हो सकती है। मतदान में किसी दल या उम्मीदवार को अवश्य सहयोग करिए लेकिन संगठन के रूप में चुनावी भूमिका नहीं होनी चाहिए। आप मतदाताओं के बीच जाएं, उन्हें मुद्दों के प्रति जागरूक करें, मतदान के लिए प्रेरित करें तथा इस बीच राजनीतिक दलों के परस्पर आक्रामक तीखे बयानों, आरोपों तथा समाज के अंदर मतदान के लिए वैमनस्य फैलाने वालों या तनाव और हिंसा पैदा करने वालों के असर को कम करने की कोशिश करें। संघ स्वयं को अगर समाज में एक संगठन की जगह समाज का संगठन मानता है तो उसके लिए कोई राजनीतिक दल दुश्मन नहीं हो सकता।हां, राजनीतिक दलों की नीतियां उसके विरुद्ध हैं यानी उसके अनुसार देश हित में नहीं हैं, तो तात्कालिक विरोध किया जा सकता है। प्रतिनिधि सभा ऐसी बैठक होती है जिसमें संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी, प्रांत स्तर के पदाधिकारी और 36 आनुषंगिक संगठनों के प्रमुख या प्रतिनिधि उपस्थित होते हैं। इस नाते 1500 वैसे प्रमुख प्रतिनिधियों की एक जगह उपस्थिति, विमर्श और निर्णय अत्यंत महत्त्व के होंगे। इसमें सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का पुनर्निर्वाचन हुआ और वे 2027 तक पद पर रहेंगे। संघ पर निष्पक्षता से अध्ययन करने वाले इसका खंडन करते हैं कि यहां चुनाव होता ही नहीं। चुनाव नियमित होते हैं किंतु ज्यादातर अन्य संगठनों या राजनीतिक दलों की तरह पदों की होड़ न होने के कारण नकारात्मक प्रतिस्पर्धा नहीं होती।प्रतिनिधि सभा से घोषित

कार्यक्रमों में अहिल्याबाई होल्कर के जन्म के 300वें वर्ष में मई, 2024 से अप्रैल, 2025 तक जन्म वर्ष मनाया जाना है। कितने राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों और पत्रकारों को अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के महत्त्व का आभास है? कौन राष्ट्रीय संगठन समाज विशेषकर महिलाओं को प्रेरणा देने की दृष्टि से इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करेगा? इसके अलावा जो विषय वहां चर्चा में थे उनमें स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष में किए गए मुख्य कार्य, श्रीराम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का राष्ट्रीय जागरण की दृष्टि से प्रभाव, संदेशखालि की भयावह घटना और मणिपुर, पंजाब आदि शामिल थे। अगर होसबोले कहते हैं कि स्वतंत्र भारत में संदेशखालि जैसी घटनाएं झकझोर देने वाली हैं, दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए तथा इसमें सभी दलों को अपने राजनीतिक स्वाथरे को छोड़कर महिला सुरक्षा और समाज के इस विषय पर एक मत से ऐसी कार्रवाई करनी चाहिए कि भविष्य में ऐसा करने की कोई सोच भी नहीं सके तो इससे कौन असहमत हो सकता है?दुर्भाग्य से राजनीतिक, बौद्धिक एवं आंदोलनात्मक एक्टिविस्टों की दुनिया में इतना तीखा विभाजन है कि यह सोचकर कहीं भाजपा को इसका चुनावी लाभ न मिल जाए अनेक दल, संगठन, बुद्धिजीवी और पत्रकार इसे बड़ा मुद्दा बनाने से बचते हैं। ऐसे लोग संघ पर कोई टिप्पणी करेंगे तो समाज उसे स्वीकार नहीं कर सकता। स्वाभाविक है कि 2025 की विजयदशमी को संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तो उसकी चर्चा होगी और उसके अनुसार योजनाएं बनेंगी। हालांकि संघ यही कह रहा है कि उसे जब तक संसार है तब तक काम करते रहना है, उसमें अनेक 100 वर्ष आएंगे तो 100 वर्ष का कोई ऐसा विशेष महत्त्व नहीं है किंतु उसका ध्यान रखते हुए ज्यादा से ज्यादा शाखा और संपर्क विस्तार हो यही लक्ष्य सामने आ रहा है और उसकी पुष्टि प्रतिनिधि सभा में हुई।संघ द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 2023 की 68,651 शाखाओं के मुकाबले संघ की शाखाओं की संख्या बढ़कर 73,117 पर पहुंच गई। जिन स्थानों पर शाखा लगती हैं, उनकी संख्या 42,613 से बढ़कर 45,600 हो गई। प्रतिनिधि सभा में तय हुआ कि 2025 की विजयादशमी से पूर्ण नगर, पूर्ण मंडल तथा पूर्ण खंडों में दैनिक शाखा तथा साप्ताहिक मिलन का लक्ष्य पूरा होगा। शाखाओं की संख्या एक लाख करने का लक्ष्य है। राममंदिर के उद्घाटन समारोह से पहले अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत को घरों में बांटने के दौरान संघ एवं समवैचारिक संगठनों के 44 लाख 98 हजार कार्यकर्ता 5 लाख 98,778 गांवों तक पहुंचे थे। 19 करोड़ 38 लाख परिवारों तक अक्षत पहुंचाया गया और 22 जनवरी को पांच लाख 60 हजार स्थानों पर 9.85 लाख कार्यक्रम हुए।अन्य अनेक संगठनों की समस्या है कि भारत के जनमानस को न समझने के कारण उचित भूमिका नहीं निभाते या विपरीत चले जाते हैं। दूसरी ओर संघ उसे समझ कर उसके अनुसार भूमिका निभाता है, और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने की कोशिश करता है। आप संदेशखालि को इसलिए महत्त्व नहीं देंगे कि इससे भाजपा को लाभ हो जाएगा तो जनमानस, जो उनकी आवाज उठाएगा, उसके साथ जाएगा।

-अवधेश कुमार-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

एक सवाल ?

दुनिया मा बाढ़ गे हे
पाप अउ अत्याचार,
अब धरती मा
अवतार लेकेआही कोन?
देख अधर्म के आँधी
चारो मूड़ा छाय हे,
राम सहीं धर्म के
धजा फहराही कोन?
अत्याचार अउ
अनाचार होवत हे नारी के,
अब कृष्ण सहीं आ के
लाज बचाही कोन?
दुनिया मा बाढ़ गे हे
पाप अउ अत्याचार,
अब धरती मा
अवतार लेके आही कोन?
नियत गड़ाये गिधवा
कस मन मा हे रावण,
हनुमान सहीं लंका मा
आगी लगाही कोन?
दुनिया मा बाढ़ गे हे
पाप अउ अत्याचार,
अब धरती मा अवतार
लेके आही कोन?
बाप के कमई मा
भाई-भाई बँटवारा होगे,
भरत सहीं त्याग
अउ बचन निभाही कोन?
दुनिया मा बाढ़ गे हे
पाप अउ अत्याचार,
अब धरती मा
अवतार लेके आही कोन?

राजकुमार निषाद राज
बिरोदा धमधा दुर्ग छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

धार्मिक स्थल में भगदड़ रोकने के उपाय तलाशने होंगे

भारत में धार्मिक आयोजनों की भीड़ में भगदड़ आम हो चुकी है। ऐसी घटनाओं में मौतें होना न नई हैं, और न ही अब हैरान करने वाली। लेकिन लगता है कि गंभीरता को जानते-समझते हुए भी सीख नहीं लेने से इन मौतों पर विराम तो दूर सोचना भी बेमानी लगता है।दो-चार दिन बाद बात आई-गई हो जाती है। बीते दिनों वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रंगभरी एकादशी की रंगीली होली की शुरु आत के एक दिन पहले भीड़ ऐसी बेकाबू हुई कि एक श्रद्धालु ने दम तोड़ दिया जबकि एक की तबीयत बिगड़ गई। भारी भीड़ के दबाव में फंसी महिलाओं और बच्चों की चीखें निकलती रहीं और पुलिस की मुस्तैदी इस बात पर ज्यादा थी कि अति विशिष्टजनों की सेवा में कोई खलल न पड़े।ऐसी ही एक घटना अगस्त, 2022 में घटी जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और बांके बिहारी मंदिर में रात 2 बजे मंगला आरती के दौरान दम घुटने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। आरोप लगे कि भीड़ नियंत्रित कराने वाले अपने परिजनों को वीआईपी दर्शन कराने में जुटे थे तो कई वीडियो बनाने में मशगूल रहे। परिसर में श्रद्धालु क्षमता 800 लोगों की है, जबकि वहां 25-30 हजार श्रद्धालु मौजूद थे। धार्मिक आयोजनों में भारी भीड़ जुटना नया नहीं है।लेकिन हादसों के बाद समझ आता है कि सुरक्षा कैसी होती है? वैज्ञानिकों ने 1900 के बाद से विश्व में भगदड़ या भीड़भाड़ की घटनाओं का एक डेटाबेस तैयार किया ताकि ऐसी मौतों को रोकने के उपायों को खोजा जा सके। इसमें 1900-2019 के बीच ऐसी 281 घटनाएं शामिल की जिनमें या तो कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई या दस से ज्यादा लोग घायल हुए। यही आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में भारत और पश्चिमी अफ्रीका ऐसी दुर्घटनाओं के सबसे बड़े केंद्र हैं। वक्त के साथ बढ़ती तकनीक के बावजूद तीन दशकों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं क्योंकि घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।भारत में बीते कुछ वर्षों के दौरान मंदिरों और अन्य हिन्दू धार्मिक कार्यक्रमों में भगदड़ में सैकड़ों जानें गईं। 25 जनवरी, 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा में 340 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचल कर मौत हो गई, सैकड़ों घायल हुए। नारियल तोडऩे से सीढ़ियों में फिसलन से यह भगदड़ हुई। 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के नैना देवी मंदिर में भू-स्खलन की अफवाह से मची भगदड़

में 162 जान चली गई, 47 लोग घायल हुए।30 सितम्बर, 2008 को राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाह से मची भगदड़ में 250 लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए। 4 मार्च, 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में मची भगदड़ में 63 लोगों की मौत हुई जो वहां कपड़ा और भोजन लेने आए थे।13 अक्टूबर, 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की मौत हुई और 100 से अधिक घायल हुए।ऐसे और न जाने कितने हादसों ने सैकड़ों जान ली हैं। दुर्भाग्यवश कभी भगदड़ में फंस जाएं तो थोड़ी सतर्कता बरत कर खुद को बचाया जा सकता है। अपनी ताकत बेवजह भीड़ के खिलाफ दूसरों को धकेलने में न लगाएं। चीखने-चिल्लाने या शोर मचा कर भी ताकत जाया न करें। कोशिश करें कि पैर फैला कर रखें ताकि धक्का लगने पर संतुलन बना रहे। धैर्यपूर्वक गहरी सांसें लेकर शांत रहें। बजाय विपरीत दिशा में जाने के हमेशा भीड़ के साथ चलें जिससे बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।हाथों को अपनी छाती के सामने किसी बॉक्सर की तरह अड़ा रखें ताकि सीना सुरक्षित रहे जिससे आप खुद को सुरक्षित रख सकेंगे। भीड़ में गिरने पर उठ नही पा रहे हों तो तिरछे हो जाएं, दोनों पैरों को सीने से चिपकाएं, सिर पर हाथ रख कर खुद को बचाने की कोशिश करें ताकि सीना, पसली और सिर बचा रहे। दीवारों और बैरिकेडिंग से भी दूर रहें। ज्यादा से ज्यादा कोशिश करें कि खुली जगह में जल्द से जल्द पहुंच जाएं।यह कहना कि एकाएक भीड़ आ गई गलत है। आजकल धार्मिक स्थलों के पूरे क्षेत्र, गलियारों, चौक, चौराहों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस या निजी सुरक्षा के लिए लगे सीसीटीवी कैमरों के अलावा सैटेलाइट से भी भीड़भाड़ की जानकारी लेना संभव है। हर पल पता होता है कि कहां से कितनी भीड़ आ रही है। यही प्रबंधन तो करना है ठीक वैसे, जैसे ट्रैफिक का करते हैं। इसके लिए जगह-जगह प्रतीक्षालय बनें, उनमें जलपान, प्रसाधन और आराम तथा छायादार सुविधा हों।बड़े-बड़े स्क्रीन हों जिन पर गंतव्य का लाइव प्रसारण होता रहे ताकि श्रद्धालु खुद मानसिक रूप से आगे जाने से पहले भीड़ के अनुरूप तैयार हों या कुछ पल सुकून से और प्रतीक्षा कर लें। प्रायः भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थल आर्थिक रूप से संपन्न होते हैं। हादसों से सीख कर ऐसे तमाम धार्मिक स्थलों के प्रबंधक और स्थानीय तंत्र भी खुद को बदलें। इच्छशक्ति, वैज्ञानिक पद्धतियों और क्राउड मैनेजमेंट से स्थिति काफी हद तक बदल सकती है ताकि भीड़, भगदड़ से होने वाली मौतों पर काबू पाया जा सके।

-ऋतुपर्ण दवे-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

रंगमंच हो या जीवन

रंगमंच हो या जीवन हम बस अपने अपने
किरदार ही तो निभाते हैं माँ बेटे बेटी का
पिता बेटे बेटी का बहन भाई का
प्रेमी प्रेमिका का पति पत्नी का
बहू, भाभी, देवर, देवरानी जेठ जेठानी,
नन्द, नंदोई दोस्ती का, पड़ोसी का
इस तरह न जाने कितने किरदार निभाते हैं
इस जीवन रूपी रंगमंच पर
और जब रोल खत्म किरदार
मुक्त मृत्यु लोक में प्रस्थान
किसी नए किरदार नए रूप में
ठीक रंगमंच के कलाकारों
जैसे जो अलग अलग
किरदार में नज़र आते हैं
बस इतनी सी तो कहानी है
जीवन की उसमें भी हम खुश
नहीं रहते.दुःख, द्वेष, ईर्ष्या, नफ़रत,
लड़ाई, झगड़ों में उलझे रहते हैं और
जीवन भर बस दूरी बनाए रखते हैं
शान, शौकत, दौलत, नाम, औधे, धर्म,
जाति आदि के पीछे
और जैसे ही मृत्यु हुई बस हाथ मलते
रहते रह जाते हैं कुछ साथ नहीं जाता
और जो पीछे रह जाता है
बस हमारे काम, बोल और कर्म
रंगमंच हो या जीवन अपने अपने किरदार
को निभाओ ऐसे की लोग
आपको दिल से याद रखें।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा,
उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

युद्ध

युद्ध बम,गोले, मिसाईल,बारूद
डर,चीख, मौत, कांपती रूह
लड़ते हैं दो गुट
जान देते हैं सैनिक
जान गंवाते हैं असैनिक
जन्म लेते हैं अनाथ
शरणार्थी भटकते बदहवास
नष्ट होते हैं संसाधन
रह जाता है चारों तरफ
केवल करुण क्रंदन
कोई-न-कोई है जीतता
हारती है हमेशा मानवता
होता है कागजी समझौता
दिलों में फासला है बढ़ता
बोए जाते हैं बीज
जो तय करता है
अगला युद्ध और भविष्य
कब खत्म होगा
धरती से युद्ध ?
शायद कभी नहीं
क्योंकि नहीं सीखता है कोई
इतिहास के पन्नों से
दुनिया को मतलब है
अपने-अपने
अहं,धर्म,अर्थ,और बॉर्डर से।

मृत्युंजय कुमार मनोज
ग्रेटर नोएडा
(पश्चिम) उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परिवार में सम्मान की कीमत ममता, विश्वास,प्रेम,समय-आंतरिक वेदना

ट्विटर पर एक विडियो देखा जिसके अंतर्गत सबसे अमीर इंसान जिसके पास ऐशों आराम की हर एक सुविधा उपलब्ध है । अगर उसकी पचास पुश्तै भी बैठ कर खाएं तो आराम से खा सकती हैं । परंतु क्या इतना कुछ होने के बावजूद भी आंतरिक संतुष्टि है इतने अधिक अमीर इंसान के पास । पैसों से तो हर कोई दुनिया की हर खुशी को खरीद अपने परिवार की और खुद की झोली में डाल सकता है , परंतु क्या सुख , मानसिक संतुष्टि , पारिवारिक स्नेह , अपनापन ,समय , विश्वास ये सब मिल सकता है पैसों से ? अगर मेरी नज़रों से देख कोई पूछे तो मैं ये जवाब दूंगी नहीं , बिल्कुल नहीं । इन तमाम सुखों के लिये फिर ऐसा क्या चाहिए की पैसा हो या ना हो परंतु सुख , शांति , पारिवारिक प्रेम , अपनापन , सम्मान सब मिल सके । तो जवाब मे मैं यही कहूंगी की इन सब चीजों को पैसों से नहीं बल्कि अपने व्यवहार की कमाई से ही खरीदा जा सकता है । यदि आपके पास सब है परिवार में वो सम्मान नहीं तो आप किस बात में अमीर हैं ? फिर एसा क्या कारण है की सब होने के बावजूद भी कुछ नहीं आपके पास ?

दुनिया की नजरों में पैसों से सबसे अमीर होने का दावा करना या सही में अमीर होना दुनिया की नजरों में तो मायने रखता । परंतु क्या आपकी नजरों में ये कमाई बेशुमार दौलत मायने रखती ? अब जरा खुद के ही भीतर झॉक के खुद से ही सवाल करियेगा की इतना कुछ परिवार वालों के लिये करने के बावजूद भी आपके साथ ऐसा व्यवहार भरे मंच पर परिवार वालों का समाज के सामने क्यों ? या चलिए घर के भीतर की ही चार दीवारी में ही क्यों हो रहा है ? आप तो परिवार वालों के लिये ही खपे और अपना समय भी खपाया फिर भी ? इस फिर भी नामक सवाल का जवाब भी मैं ही देती हूँ । अरे सवाल मैंने ही उठाया किसी ओर के चेहरे पर उठे दर्द-ए भाव को देखकर जो की देखते ही बनता था तो जवाब भी मेरी ओर से तो देना बनता ही है ना । अरे उसी वीडियो की देख बात कर रही जो ट्विटर पर देखा मैंने और जिसने मुझे इस विषय पर कलम चलाने के लिये प्रेरित किया है । विषय बड़ा रोचक सा लगा जो मेरे मन के भीतर जज़्बातों , भावों के जरिए चला आया था । विषय था परिवार आखिर क्या चाहता ? बेशुमार दौलत या समय , ममता , अपना , जज़्बात । चलिये परिवार शब्द की परिभाषा को समझते हुए इसी विषय को कलम से ही सही भावों के समंदर में गौते लगवाकर शब्द निकाल पिरो लेते एक नाजुक सी तार में।

परिवार एक एसा शब्द है जो सदैव एक-दूसरे के प्रति समर्पण भाव , प्रेम , वात्सल्य, अपनेपन , तालमेल, सहयोग की भावना से परिपक्व होता है । ये समस्त शब्द एक तार से एक रेखा में क्रमबद्ध बंधे होते हैं । परंतु याद रखियेगा ये तार बहुत ही नाजुक होती है जिससे समस्त भाव बंधे हैं । परिवार में इस तार को बहुत ही सावधानी के साथ रख कर जिंदगी के सफर में सदैव आगे बढ़ते रहना चाहिए । इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए की कभी भी तार पर किसी भी तरह का आघात न हो ताकी , तार कंपन करने लगे या तार से बंधे भावों में से एक भी भाव गिर सके और ये सब सही तरह संचालित हो सकता है परिवार के मुखिया द्वारा ही । यदि परिवार का मुख्य मुखिया ही किसी कारण वश या बाहरी मोह-माया से मोहित हो इस तार को स्वयं हिला देता है तो उस नाजुक तार में हुए कंपन से किसी न किसी भाव का तो गिरना स्वाभाविक ही है । मान लिजिए एक लकड़ी का गट्ठा बंधा है उसमें से एक लकड़ी गिर गई तो उस लकड़ी के गट्ठे को जिस रस्सी से बॉधा था उस रस्सी की पकड़ स्वाभाविक ही है की ढ़ीली होगी ही और एक दिन धीरे-धीरे करके सब लकड़ियां पकड़ ढ़ीली होने के कारण गिरती जाएंगी और वो लकड़ी का गट्ठा बिखर जाएगा । ठीक उसी तरह पारिवारिक तार से बंधे एक भी भाव के गिरने से एक वक्त ऐसा आता है की समस्त भाव सम्मान, अपनापन , सहयोग, तालमेल, जज़्बात सब टूट के बिखरते चले जाते और अंत में मुखिया के पास सिर्फ रह भी जाता है तो अकेलापन । जो उसे आज चाहे नहीं समझ में आ रहा परंतु भविष्य में वो अपने हर एक की लापरवाही का स्वयं का दोहन, अकेलापन देख तन्हाई में आंसू बहा पछताता । परंतु अब वो दुनिया का सबसे अमीर इंसान हो या गरीब क्या फर्क पड़ता है जिसके पास , जिसके साथ उसका परिवार ही नहीं खड़ा वो दुनिया के कंगाल इंसानों की ही श्रेणी में ही आएगा । पैसों से सब खरीद सकते , दुनिया को पैरों तले रौंद सकते झुका सकते परंतु परिवार एक ऐसी चीज़ है जिसे पैसों से अधिक जज़्बात , प्रेम , ममता, स्नेह , समय देकर ही खरीदा जा सकता है ।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मंदिरों में वही पूजा जाता है

मंदिरों में वही सदा पूजा जाता है
जो छेनी-हथोड़े की चोट खाता है।
जब अनघड़ पत्थर तराशा जाता है
मंदिरों में वही भगवान कहलाता है।
दीपक तभी प्रकाशवान बनता है
जब वह तिल-तिल जलता जाता है।
और वही दीपक प्रकाशित करता है
जो जलने की साहस कर पाता है।
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है
कठिन संघर्षों से
भिड़ जाना पड़ता है।
जो डटकर,अपना पसीना बहाता है
वही तो दुनिया में
इतिहास रच पाता है।
जो कोई यहाँ
जितना आग में जलता है
वह उतना कुंदन की,
तरह बन जाता है।
और जो कुंदन
बनने की चाहत रखता है
उसको आग में ही
मंजिल नजर आता है।

अशोक पटेल आशु
मेघा,धमतरी
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

दैनिक घटती-घटना की मुहिम को मिली सफलता...शासन की भूमि फिर लौटेगी शासन के पास...सरगुजा कलेक्टर ने सुनाया फैसला

बहुचर्चित राजमोहिनी भवन के पीछे की शासकीय जमीन निजी व्यक्ति के नाम चढ़ गई थी...दैनिक घटती-घटना के मुहिम के बाद सरगुजा कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय में तीन दिन तक सभी अनावेदक को बुलाया लेकिन तीन दिनों तक कोई नहीं पहुंचा न्यायालय, कलेक्टर ने एकतरफा सुनाया फैसला

बहुचर्चित शासकीय जमीन घोटाला मामले में बंशु लोहार के नाम दर्ज हुई शासकीय भूमि में से बिक चुकी सभी जमीनों की रजिस्ट्रियां शून्य घोषित,जमीन पुनः गोचर मद में दर्ज होगी कलेक्टर ने दिया आदेश

» **सरगुजा कलेक्टर भोस्कर विलास संदीपन की कार्यवाही की हो रही हर तरफ तारीफ...वहीं भू-माफिया हुए गायब**

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर,28 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

शहर के राजमोहिनी देवी भवन के पीछे की शासकीय जमीन निजी हाथों में चली गई थी जिसे फिर से शासकीय करने के लिए दैनिक घटती-घटना ने मुहिम छेड़ रखी थी और लगातार खबर प्रकाशित कर कार्यवाही की मांग घटती घटना ने जारी रखी थी, अंततः वह दिन आ ही गया जब शहर के राजमोहनी देवी भवन के पीछे गोचर मद की बहुचर्चित जमीन घोटाले मामले में कलेक्टर न्यायालय ने बड़ा फैसला दिया। बंशु लोहार मामले में सभी रजिस्ट्रियां शून्य घोषित करते हुए जमीन पुनः गोचर मद में दर्ज करने और वापस शासकीय मद में दर्ज करने का आदेश नजूल अधिकारी को दिया है। ऑनलाइन माध्यम से शुरू हुई कलेक्टर न्यायालय की कार्यवाही में आज गुरुवार को बहुचर्चित जमीन घोटाले में बंसू उर्फ भटकुल को पुनः बुलाया गया। लेकिन उसकी लगातर अनुपस्थिति के बाद कलेक्टर ने मामले में तैयार 19 पृष्ठ का आदेश जारी करते हुए कहा कि बंशु प्रति छत्तीसगढ़ शासन मामले में प्रावधानों व संहिता के विपरीत पाए जाने से निरस्त किया जाता है एवं नमनाकला स्थित भूमि 243/1 रकबा 1.710 हे. (4.22 एकड़) भूमि को पूर्ववत शासकीय मद में दर्ज किए जाने का आदेश जारी किया जाता है। साथ ही नजूल अधिकारी को रिकार्ड दुरुस्त कर प्रतिवेदन भेजने कहा गया है। बंशु आ.भटकुल ने गलत तरीके से शासकीय भूमि का पटटा अपने नाम कराया था इसलिए उसके द्वारा बेची गई भूमि आदेश को भी निरस्त किया जाता है। बंशु द्वारा अनावेदक सतीश शर्मा, सन्मोगर वारियर,अभिषेक नागदेव, शेखर अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, अनुषा नागदेव, महेश कुमार केडिया और दिनेश कुमार को बिक्री की गई शासकीय भूमि भी निरस्त की जाती है। कलेक्टर ने कहा कि यह आदेश खुली न्यायालय से जारी किया जाता है।

बता दें घटती-घटना शुरू से ही इस बड़े जमीन फर्जीवाड़े के मामले को लगातार उठाता रहा और प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ठ कराता रहा है। नमनाकला राजमोहनी देवी भवन के पीछे स्थित लगभग सवा 4 एकड़ गोचर मद की भूमि को राजस्व के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भू-माफियों से सांठगांठ कर बंशु आ.भटकुल के नाम दर्ज करा कौड़ियों के दाम पर बेचे जाने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए भू-माफियाओं को कड़ा संदेश दिया है। मामले में कुछ दिन पूर्व ही प्रशासन की शिकायत पर तात्कालिक नजूल अधिकारी नीलम टोप्पो,राहुल सिंह आरआई, नारायण सिंह आरआई एवं नजूल कार्यालय का रीडर अजय तिवारी के विरुद्ध पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया गया था। गांधीनगर पुलिस ने मामले में धारा 467, 468, 420, 120 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। इसमे कुछ आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है और अभी वे फरार है। प्रशासन ने आज कार्यवाही करते हुए राहुल सिंह आरआई, नारायण सिंह आरआई एवं नजूल कार्यालय का रीडर अजय तिवारी को निलंबित भी कर दिया है। गौरतलब है कि तहसीलदार (नजूल) अंबिकापुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अंबिकापुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार नमनाकला, अंबिकापुर स्थित शासकीय नजूल भू-खण्ड क्रमांक 243/1 रकबा 1.710 हे (4.22 एकड़) भूमि सरगुजा सेटलमेंट मे गोचर मद की भूमि है, जिसे अनियमित पट्टा और विधिक प्रावधानों के विपरीत अनावेदक बंशु द्वारा अपने नाम पर कराते हुये उक्त शासकीय नजूल भूमि में से कई व्यक्तियों को विक्रय कर दिया गया था।

अजय तिवारी
नजूल लिपिक सहायक ग्रेड 2

राहुल सिंह
राजस्व निरीक्षक

नारायण सिंह
नजूल राजस्व निरीक्षक

घटती घटना
सरगुजा के बहुचर्चित शासकीय भूमि भवन का मामला...
कलेक्टर न्यायालय पहुंचे फर्जीवाड़ा करने वालों के वकील
अब से हर गुरुवार को यूट्यूब पर न्यायालय की कार्यवाही का होगा ऑनलाइन प्रसारण

घटती घटना

घटती घटना
दैनिक घटती-घटना खबर के बाद राजमोहिनी शासकीय भूमि क्षति मामले में
सरगुजा कलेक्टर ने अनावेदक बंसू सहित 8 अनावेदकों को किया तलब
क्या अनावेदक सही दस्तावेज के साथ अपना पक्ष रख पाएंगे...या मामले को खींचने का यह है नवाब तरीका?

लंबे समय से अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारी किए गए निलंबित

शासकीय कर्तव्य से बिना सूचना एवं अनुमति के अनुपस्थित रहने पर राजस्व निरीक्षक (नजूल) नारायण सिंह, अम्बिकापुर तहसील कार्यालय के राजस्व निरीक्षक राहुल कुमार सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय धौरपुर के सहायक ग्रेड-02 अजय तिवारी को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के निहित प्रावधानों के तहत कलेक्टर सरगुजा द्वारा निलंबित किया गया है। वर्तमान में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है। आदर्श आचार संहिता के लागू होने से लोक सेवकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे में उक्त अधिकारी-कर्मचारी द्वारा बिना सूचना के अनुपस्थित रहना पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में उपेक्षा तथा लापरवाही पायी गई है। निलंबन अवधि में इन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कब होगी आरोपियों की गिरफ्तारी?

पूरे मामले में कलेक्टर सरगुजा भोस्कर विलास संदीपान ने गोचर मद की भूमि की गलत तरीके से हुई खरीदी बिक्री उसके भूस्वामी हक में दर्ज होने के मामले को निरस्त कर दिया और अब भूमि को पुनः गोचर मद में दर्ज करने का निर्देश जारी कर दिया। पूरे मामले में यह स्पष्ट हुआ की शासकीय जमीन को गोचर मद की भूमि को निजी स्वामित्व में दर्ज किया गया गलत तरीके से और उसका विक्रय भी किया गया। पूरे मामले में कलेक्टर न्यायालय ने सभी को अपना पक्ष रखने का मौका दिया लेकिन कोई अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचा और बाद भूमि को पुनः शासकीय भूमि घोषित करने का निर्देश कलेक्टर ने जारी कर दिया। वैसे इस मामले में कई जमीन दलाल और कई भूमाफिया सहित राजस्व विभाग के कई अधिकारी कर्मचारी शामिल थे और तब जाकर इतना बड़ा फर्जीवाड़ा संभव हो सका था यह माना जा रहा है।

जमीन तो शासन को लौट जायेगी इसका आदेश कलेक्टर सरगुजा ने जारी कर दिया लेकिन मामले में दोषियों के ऊपर कार्यवाही कब होगी उनकी गिरफ्तारी कब होगी यह बड़ा सवाल है। मामले में कलेक्टर की कार्यवाही के बाद लोग उनकी प्रशंसा जरूर कर रहे हैं लेकिन लोगों का यह भी कहना है की मामले में दोषियों को जेल के सलाखों के पीछे भेजे जाने से भूमाफियाओं का आतंक कम होगा वहीं जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी कर्मचारियों में भी भय की भावना उत्पन्न होगी और वह ऐसी किसी गड़बड़ी करने से बचने का प्रयास करेंगे।

कलेक्टर सरगुजा ने वह कर दिखाया जो आज तक किसी ने नहीं किया

कलेक्टर सरगुजा भोस्कर विलास संदीपन ने बड़े भूमि फर्जीवाड़े मामले में बड़ी तत्परता और जल्द निर्णय लिया जो काबिले तारीफ माना जा रहा है। इस तरह के मामलों में इतना त्वरित निर्णय कभी होते नहीं देखा गया। कलेक्टर सरगुजा ने एक तरह से ऐतिहासिक फैसला दिया है और जिसमे उन्होंने कोई विलंब भी नहीं किया न ही वह किसी दबाव में आए न ही उन्होंने फैसले के लिए कोई समय लिया। पूरी कार्यवाही उन्होंने ऑनलाइन आयोजित की जिले के लोगों के समाने ऑनलाइन कार्यवाही हुई जो उनकी तत्परता बताने के लिए काफी है। कलेक्टर सरगुजा की कार्यवाही की प्रशंसा हो रही है और उनके इस फैसले के बाद उनके प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और अन्य भी मामलो में वह ऐसी ही तत्परता प्रदर्शित करेंगे यह लोगों का विश्वास है।

कलेक्टर सरगुजा से थर्रा रहे भू-माफिया

कलेक्टर कोरिया के फैसले के बाद अब जिले के भूमाफियाओं के मन में काफी भय देखने को मिल रहा है। सरगुजा कलेक्टर ने यह साबित कर दिया की वह जमीन फर्जीवाड़े मामले में कोई मुरव्वत किसी को नहीं देने वाले और सभी गड़बड़ियों वाले मामले में वह इसी तरह जल्द निर्णय लेकर फैसला करेंगे और जिसके बाद भूमाफिया जिले के अब थर्रा रहे हैं डर से। वैसे जिले में ऐसे कई मामले हैं और अब सभी मामले धीरे धीरे खुलने वाले हैं जिसमे शरणार्थियों को मिली जमीन का मामला भी सामने आएगा यह माना जा रहा है।

चरित्र शंका पर पत्नी के साथ कर रहा था मारपीट,बीच बचाव करने पहुंची मां को उतार दिया था मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

मां की हत्या के मामले में सीतापुर पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपी 14 मार्च की रात को चरित्र शंका पर पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। बीच बचाव करने पहुंचे माता-पिता के साथ भी वह मारपीट किया था। मां को गंभीर चोट लगने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रामप्रसाद भगत सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम आरा दर्रीपारा का रहने वाला है। वह पत्नी सबिना टोप्पो पर चरित्र शंका करता था। 14 मार्च की रात को चरित्र शंका को लेकर पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। इसे देख रामप्रसाद की मां मोतो बाई व पिता कमल भगत बीच-बचाव करने लगे। इस दौरान पत्नी वहां से भाग गई। इधर गुस्से में रामप्रसाद ने बीच बचाव कर रहे माता-पिता की डंडे से पिटाई कर दी। इससे दोनों जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मां मोतो बाई की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी रामप्रसाद को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिला कांग्रेस ने रमजान के महीनों में रोजेदारों के लिए फल,मिठाई और सूखे मेवे का किया वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

महिला कांग्रेस ने रमजान के महीनों में रोजेदारों को अफ्तार के लिए फल, मिठाई और सूखे मेवे का वितरण किया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सोनी ने बताया संगठन की महिलाएं समाज के सभी धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में सहभागिता निभाती हैं। इसी कड़ी में आज शहर के प्रमुख मदरसों और मस्जिदों में रोजा अफ्तार के लिए अफ्तार सामग्री का वितरण किया गया । इस कार्य मे पार्षद रूही गजाला, फौजिया नाज,नुजहत फातिमा,शमा परवीन, गीता प्रजापति,पूर्णिमा सिंह,नीता विश्वकर्मा,शकीला सिद्दीकी चंचला शांडिल्य, सपना, अंजू, सरोज मरावी, आनंदी तिग्गा, रजनी महंत, नगमा, अनिता रजक, मंजू आदि का सहयोग रहा।

महिला से फोन-पे के माध्यम से जबरन रकम ट्रांसफर कराने,मोबाईल लूटने व छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- सवाददाता -
सूरजपुर,20 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

दिनांक 27.03.2024 को थाना प्रतापपुर क्षेत्र अन्तर्गत एक महिला ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 26.03.24 के दोपहर में बस स्टैण्ड अम्बिकापुर में डुमरखोला-कोचली जाने के लिए साधन पता कर रही थी तभी एक अज्ञात व्यक्ति मिला जो मैं डवरा-कोचली का हूॅ वहीं जा रहा हूॅ साथ ले चलूंगा बोलकर महिला को अपने बिना नंबर के हीरो पैसन प्रो मोटर सायकल में बैठा लिया जो रास्ता में रूककर महिला को बोलने लगा कि कोचली में मेरा किराना का दुकान है मुझे लेबर लोगों को ऑनलाईन पैसा पेमेंट करना है आप अपने फोन से पैसा ट्रांसफर कर दीजिये मैं कोचली पहुंचकर आपको नगद पैसा दे दूंगा तो महिला उसकी बातों पर विश्वास कर फोन पे से 5 हजार रूपये ट्रांसफर कर दी। ग्राम धरमपुर पार होने के बाद वह मेन रोड़ छोड़कर जंगल की ओर कच्चा रास्ता में मोटर सायकल को मोड़ दिया जिस पर महिला बोली कि इधर कहां ले जा रहे है ये गलत रास्ता है तो वह बोलने लगा कि यह शॉटकट रास्ता है जल्दी पहुंच जायेंगे, फिर कुछ दूर जंगल में ले जाकर मोटर सायकल रोककर प्रार्थियां के साथ छेड़छाड़ करने लगा, विरोध करने पर हाथ मुक्का से मारपीट किया और डरा धमका कर 15 हजार रूपये अपने फोन-पे नंबर पर ट्रांसफर करा लिया तथा महिला का वन प्लस मोबाईल को जबरदस्ती लूट लिया, महिला किसी तरह दौड़कर वहां से भागी है। महिला की रिपोर्ट पर थाना प्रतापपुर में धारा 384, 392, 354 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने गंभीरतापूर्वक प्रकरण की विवेचना करते हुए घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना प्रतापपुर पुलिस के द्वारा बैंक से प्राप्त जानकारी व तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए संदेही शिवशंकर उर्फ भोला का घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ पर उसने इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके बाद कार्यपालिक दण्डाधिकारी की मौजूदगी में पहचान कार्यवाही भी कराई गई। आरोपी के निशानदेही पर महिला से ट्रांसफर कराए गए पैसा में निकाले गए पैसा 10 हजार रूपये नगद, लूट का वन प्लस मोबाईल कीमत 15 हजार रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी शिवशंकर उर्फ भोला पिता धनेश्वर गोस्वामी उम्र 44 वर्ष ग्राम रामपुर, थाना प्रतापपुर को गिरफ्तार किया गया।कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई हीरालाल साहू, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, विनोद परीड़ा, रामाधीन श्यामले, आनंद एक्का, आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अवधेश कुशवाहा, शशिकांत मिश्रा, विरेन्द्र कुजूर, अभिमन्यू पैंकरा, निरंजन एक्का सक्रिय रहे।

CMYK

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री डेनियल काह्नमैन का 90 वर्ष की आयु में निधन

जेरूसलम,28 मार्च 2023। इजराइली-अमेरिकी संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक और अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता डैनियल काह्नमैन का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इज़राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने एक बयान में कहा, हमने बेहद प्रतिभाशाली लोगों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि काह्नमैन के शोध ने मानवता के समझने के तरीके को बदल दिया है, हमें उन पर बहुत गर्व है।

एजेंसी ने इजराइली राष्ट्रपति के हवाले से कहा,काह्नमैन की मौत के बाद भी मानवता की भलाई के लिए किए गए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। गौरतलब है कि अनिश्चित परिस्थितियों में निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए काह्नमैन को 2002 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

काह्नमैन यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रेशनलिटी के फेलो, विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सदस्य और कई प्रमुख अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर और शोधकर्ता थे।

जिला पंचायत के सभाकक्ष में लगी आग

- संवाददाता -

अंबिकापुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)। जिला पंचायत सरगुजा के सभाकक्ष में बुधवार की रात अचानक लगी आग गई। गुरुवार को सुबह जब सफाई के लिए हॉल खोला गया तो उसमें धुंआ भरा हुआ था। सफाई कर्मचारी ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इस घटना में सभाकक्ष में लगा एसी, मॉनिटर, प्रोजेक्टर, कुर्सी-टेबल धुएं की वजह से पूरी तरह काला होकर खराब हो गया है।

बताया जा रहा है कि देर रात एसी में हुए शार्ट सर्किट की वजह से ये हादसा हुआ है। सुबह पूरे कमरे में काला धुंआ भरा हुआ था। देर रात में हुई घटना के कारण कोई जनहानि नहीं हुई है।

देशी कट्टा व तीन नग जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने देशी कट्टा व तीन नग जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी देशी कट्टा व जिंदा कारतूस लेकर मनेंद्रगढ़ रोड की ओर जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

एसपी अमोलक सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाए जा रहा है। इसी क्रम में 27 मार्च को गांधीनगर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि एक व्यक्ति गांधी चौक के पास ऑटो स्टैंड में देसी कट्टा दिखाकर लोगों को डरा धमका रहा है और स्कूटी से महेंद्रगढ़ रोड की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस घेराबंदी कर स्कूटी क्रमांक सीजी15 डीएक्स 5468 को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक नाग देसी कट्टा व तीन नाग जिंदा कारतूस मिला। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी संजीत पाल पिता बैजनाथ राम उम्र 38 वर्ष निवासी सकलो हाल मुकाम वसुंधरा विहार थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

10 हजार में खरीदा था देसी कट्टा

एसपी ने बताया कि आरोपी संजीत पाल पूर्व में भी जेल जा चुका है। वह ऑटो चलाने का काम करता है और कुछ दिन पूर्व ही झारखंड के एक व्यक्ति से 10 हजार रुपए में देसी कट्टा व कारतूस खरीदा था।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

एटीएम बदलकर धोखाधड़ी करने के मामले में उदयपुर पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसी मामले में पूर्व में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुका है।

जानकारी के अनुसार रामलखन सिंह पिता स्व. जीत सिंह, उम्र 35 वर्ष निवासी रामनगर मार्च 2022 को भाई माया सिंह एटीएम कार्ड लेकर पैसा निकालने एसबीआई एटीएम उदयपुर गया था। वहां पर पैसा नहीं निकलने पर दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मदद के बहाने एटीएम पासवर्ड देखकर छल से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एटीएम कार्ड बदल दिया गया, और एटीएम कार्ड लेकर फरार हो गये। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रार्थी के एटीएम से कुल 114800 रूपये आहरण कर लिया गया है। जिससे थाना उदयपुर में सदर धारा 420, 34 भादसं के तहत् प्रकरण पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। मामला पंजीबद्व उपरांत प्रकरण के आरोपियों की पता-तलाश/गिरफ्तारी हेतु सायबर सेल टीम द्वारा तकनीकी माध्यम से तकनीकी जानकारी ली जा रही थी, और गिरफ्तारी का हरसंभव प्रयास किया जा रहा था। किन्तु आरोपियों द्वारा बार-बार जगह बदलने व बदल-बदलकर मोबाईल का उपयोग/बंद किये जाने के कारण पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ रहे थे। तकनीकी माध्यम से ज्ञात हुआ, कि आरोपियों द्वारा दिनांक घटना को प्रार्थी का एटीएम बदलकर अपने ही खाते में पीओएस मशीन के माध्यम से आहरण किया जाना पाया गया।

मामलें में आरोपी अभिषेक कुमार उर्फ राहुल उर्फ अमित कुमार पिता रविशंकर प्रसाद उर्फ सुरेन्द्र प्रसाद यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी पटेलनगर, नवादा (बिहार) को पूर्व में ही नवादा (बिहार) से पता-तलाश कर गिरफ्तारी की कार्यवाही उपरांत न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया है। जिससे पूछताछ पर बताया कि वह अपने साथी दीपक कुमार यादव पिता सरण यादव निवासी बरतपुरा, नवादा थाना मुफ्स्सिल, बिहार के साथ घटना को अंजाम देना बताया, और जिस पीओएस मशीन के माध्यम से प्रार्थी का रकम आहरण हुआ उस पीओएस मशीन को दीपक के पास होना बताया। जिसे विधिवत् रूप से माननीय न्यायालय के आदेश पर दीपक कुमार यादव पिता सरण यादव, निवासी बरतपुरा, नवादा थाना मुफ्स्सिल, बिहार को जारी प्रोडक्शन वारण्ट पर समस्तीपुर, बिहार के जिला जेल से लाया गया, जिसे माननीय न्यायालय परिसर में पूछताछ किया गया, जिसने घटना में प्रयुक्त पीओएस मशीन को बिहार के रास्ते में फेंक देना बताया, और ठगी से मिले पैसे को अपने जमानत में खर्च देना बताये। मामले के निराकरण में प्रधान आरक्षक घनश्याम यादव, शत्रुघन सिंह, आरक्षक रविन्द्र साहू, आरक्षक गंगाप्रसाद, सैनिक चंदन सिंह इत्यादि कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,दूसरा गंभीर

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम भाटापारा के पास बुधवार की रात को अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। दूसरे युवक का इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार आदित्य कुमार सिंह पिता पारसनाथ उम्र 20 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटिया का रहने वाला था। वह बुधवार की रात 8 बजे गांव के प्रकाश यादव के साथ अपने जीजा के घर सासकालो बाइक से गया था। वहां से रात को वापस लौट रहा था तभी भाटापारा के पास आज्ञा ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान आदित्य की मौत हो गई। वहीं प्रकाश का इलाज चल रहा है।

प्रेमी से तंग आकर..प्रेमिका ने सहेली के साथ मिलकर कर दी प्रेमी की हत्या

अब जा पहुंची सलाखों के पीछे

- संवाददाता -

बलरामपुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

.कोतवाली थाना क्षेत्र के मरियम पारा में एक घर में मिली युवक की लाश के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है।.पुलिस ने इस मामले में युवक की प्रेमिका और उसकी नाबालिग सहेली को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस का कहना हैं युवक की मौत नायलोंन की रस्सी से गला घोटने से हुई है।

बलरामपुर के मरियम पारा में 26 मार्च की दोपहर एक युवक की लाश मिली थी..पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय मृतक वीरेंद्र यादव ग्राम पुटसुरा का निवासी था,और बलरामपुर में अपनी बहन के साथ रहकर कालेज की पढ़ाई करता था.।.इसी बीच युवक का अपने ही पड़ोस में रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया।..युवती भी अपने सहेली के साथ रहकर बलरामपुर में पढ़ाई करती थी।..घटना वाली दिन युवक अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था।.शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्रेमिका पर अनावश्यक रूप से दबाव बना रहा था।.जिसके बाद तैश में आकर प्रेमिका ने घर में रखे नायलोन की रस्सी से अपनी सहेली के साथ मिलकर गला घोंट दिया।..जिसके बाद युवक की मौत हो गई।

वही युवक की हत्या करने के बाद युवक की बहन को सूचना दी की उसका भाई बेहोश पड़ा हुआ है।.और युवक के परिजनों के पहुंचने के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई थी।..पुलिस ने शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद मृतक की प्रेमिका वा उसकी नाबालिग सहेली से पूछताछ की..और दोनो को गिरफ्तार कर लिया है।

चुनाव की तैयारीः अंतर्राज्यीय बॉर्डर में हुई छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की मीटिंग

- संवाददाता -

सूरजपुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अंकित गर्ग (भा.पु.से.) ने छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में आगामी लोकसभा चुनाव के बेहतर प्रबंधन के लिए बार्डर मीटिंग करने के निर्देश दिए थे। उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में गुरूवार, 28 मार्च 2024 को थाना चांदनी में छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों सहित सरहर्दी क्षेत्र में स्थित थाना-चौकी प्रभारियों की बार्डर मीटिंग हुई।

बैठक में एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आपराधिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए बेहतर सहयोग और समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून, सुरक्षा व्यवस्था एवं अपराधियों की धरपकड़ को लेकर आवश्यक चर्चा की। सीमावर्ती चौकियों पर बेहतर तालमेल बनाते हुए नशीली सामग्रियों व अवैध वस्तुओं के आवागमन को रोकने के लिए प्रभावी रणनीति पर चर्चा की और निगरानी, गुण्डा बदमाशों की गतिविधियों पर सतत् निगाह रखते हुए जानकारी साझा करने कहा। मध्यप्रदेश राज्य के जिला सिंगरौली के बैढ़न एसडीओपी श्रीजन वर्मा ने दोनों राज्यों की सीमाओं पर चेक पोस्ट पर नाकाबंदी को और प्रभावी तथा सुदृण बनाने तथा सूचनाओं का आदान प्रदान करने व अवैध नशीली सामग्रियों तथा वारंटियों की धरपकड़ व असामाजिक तत्वों के बारे में जानकारी साझा करने के अलावे अन्य विषयों को लेकर रणनीति के तहत कार्य करने की बात कही।

बैठक में एसडीएम भैयाथान सागर सिंह, तहसीलदार बिहारपुर संजय शर्मा, थाना प्रभारी चांदनी मनोज सिंह, चौकी प्रभारी बलंगी विजय दुबे, चौकी प्रभारी मोहरसोप कमलेश पाठक, नगर पुलिस अधीक्षक विध्यनगर जिला सिंगरौली पी.एस.परस्ते, चौकी प्रभारी शासन थाना बैढ़न संदीप नामदेव सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सोनार उत्थान समाज का होली मिलन कार्यक्रम बैकुंठपुर पटना एवं रिक्त पदों की नियुक्ति

- संवाददाता -

बैकुंठपुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सोनार उत्थान समाज कोरिया जिला बैकुंठपुर एवं पटना मंडल का होली मिलन का कार्यक्रम का आयोजन महल पर दक्षिण मुखी बजरंगबली मंदिर के प्रांगण पटना में संपन्न हुआ मुख्य अतिथि के रूप में सोनार उत्थान समाज पूर्व उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी परशुराम सोनी उपस्थित थे अंबिकापुर से उनके साथ श्रीमती लीना सोनी सरगुजा संभाग की महिला महामंत्री रघु सोनी अंबिकापुर ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित थे

अतिथि के रूप में शैलेश शिवहरे भूतपूर्व नगर अध्यक्ष बैकुंठपुर वंदना राजवाड़े जनपद सदस्य उपस्थित रहे इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुनील सोनी प्रमुख सलाहकार सरगुजा संभाग एवं सुदीप सोनी बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष ने किया

प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं अतिथि का स्वागत किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परशुराम सोनी ने समाज के लोगों को आव्हान किया कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की योजनाओं को समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक पहुंचाएं जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके साथ ही साथ संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी मिलकर एक दूसरे का साथ दें जिससे हमारा संगठन संभाग के साथ-साथप्रदेश में मजबूत होसके इस कार्यक्रम को संबोधित शैलेश शिवहरे श्रीमती सरिता सोनी श्रीमती लीना सोनी श्रीमती किरण सोनी रघु सोनी घनश्याम सोनी सुदीप सोनी ने किया।

उक्त बैठक में कोरिया जिले की रिक्त पदों की नियुक्ति करनी थी उपस्थित समाज के लोगों ने सर्व सम्मति से कोरिया जिला के जिला अध्यक्ष राजेश सोनी युवा जिला अध्यक्ष आशीष सोनी सोनी महिला मंडल अध्यक्ष पटना गायत्री सोनी युवा मंडल अध्यक्ष कार्तिक सोनी को सभी ने मनोनीत किए जाने की मांग की इस मांग की अनुशंसा परशुराम सोनी ने सोनार उत्थान समाज के प्रमुख प्रथम हस्ताक्षर करता शेषनारायण से की इन सभी को प्रदेश प्रमुख ने नियुक्ति प्रदान की अपने दायित्व पर सफल हो शुभकामनाएं दी इस कार्यक्रम में सभी ने अबीर गुलाल लगाते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।

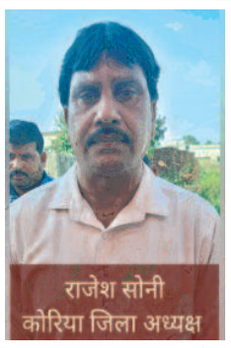
राजेश सोनी
कोरिया जिला अध्यक्ष

आशीष सोनी
युवा जिला अध्यक्ष कोरिया

गायत्री सोनी
पटना ब्लॉक अध्यक्ष महिला

कार्तिक सोनी
युवा ब्लॉक अध्यक्ष पटना

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष मनोज सोनी, अंजू सोनी, पार्वती सोनी, विमल सोनी, राधा सोनी,तारा सोनी,उर्मिला सोनी,आशा सोनी,राधा सोनी, लता सोनी, सोनल सोनी अनीता सोनी किरण सोनी पूनम सोनी पूर्णिमा सोनी उर्मिला सोनी तुलसी सोनी श्वेता सोनी अर्चना सोनी रश्मि सोनी मीना सोनी रीमा सोनी सेजल सोनी रानू सोनी प्रिंसी सोनी अनीता सोनी नीतू सोनी कलावती सोनी समी सोनी श्रेया सोनी बसंत सोनी कांत सोनी शिव भूषण सोनी सुरेश सोनी राजेश सोनी ओम सोनी बालाजी सोनी विजय सोनी मदन सोनी अजय सोनी संतोष सोनी राज सोनी मनीष सोनी विनोद सोनी आशीष सोनी संजय सोनी रितिक सोनी हर्ष सोनी अंकित सोनी राकेश सोनी गोलू सोनी अभय सोनी निहार सोनी चंदू सोनी निर्मल सोनी कृष्णकांत सोनी राजन सोनी बबलू सोनी रंजीत सोनी राजू सोनी उमेश सोनी दीपक सोनी गोपाल सोनी श्रावण सोनी नीतेश सोनी आयुष सोनी अंशु सोनी मनोज सोनी शौर्य सोनी मिंकु सोनी, इनके अलावा सैकड़ो की संख्या में समाज के वरिष्ठ महिला एवं युवा उपस्थित थें।

CMYK

पत्रकार ही आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करेंगे तो आम जनता को क्या संदेश जाएगा ?

क्या प्रशासन के खिलाफ सोशल मीडिया पर लिखने वाले पत्रकार के खिलाफ चुनाव आयोग करेगा कार्यवाही ?

पत्रकार भवन में पत्रकारों ने भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी के साथ रखा चाय पर चर्चा कार्यक्रम...आचार संहिता उलंघन मानकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया भवन सील

पत्रकारों ने की गलती और प्रशासन को दिखाई आंख वहीं सोशल मीडिया पर दी प्रशासन को खुली चुनौती

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़ 28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के कुछ पत्रकार कुछ ज्यादा ही मनचले हो चुके हैं उन्हें अपने अधिकार से ऊपर काम करने का लाइसेंस मिल गया है? जिस वजह से हमेशा वह विवादों में घिरे रहते हैं एमसीबी जिले का पत्रकार भवन शुरू से लेकर अब तक विवादों में ही घिरा हुआ है, वहीं एक बार फिर कुछ पत्रकारों के अत्यधिक होशियारी में उस भवन में ताला भी लग गया, पत्रकार जो काफी लंबे समय से पत्रकारिता कर रहे हैं कई विधानसभा व लोकसभा का चुनाव का कवरेज कर चुके हैं फिर भी उन्हें इस बात का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं रहा की किस बात से चुनाव आयोग के निर्देश आदेशों का उल्लंघन होगा? एमसीबी जिले के कुछ पत्रकारों ने भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी के लिए शासकीय पैसे से बने पत्रकार भवन में चाय पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका पोस्ट भी भाजपाइयों द्वारा सोशल मीडिया पर डाला गया जिसके बाद किसी ने जिला निर्वाचन अधिकारी को इसकी शिकायत कर दी और जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकार भवन को बिना किसी से पूछे सील कर दिया, जैसे ही यह बात पत्रकारों को पता चली पत्रकार आग बबुला हो गए और बिना जानकारी लिए आदर्श आचार संहिता के दौरान धरने पर बैठ गए, और प्रशासन को ही आंख दिखाना उन्होंने जरूरी समझा, जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्रकार झुकाने का प्रयास कर रहे थे यहां तक की सोशल मीडिया पर एक पत्रकार ने तो जिला निर्वाचन अधिकारियों को ही चुनौती दे दी कि जिस प्रकार उन्होंने बिना सूचना दिए भवन को सील किया है ठीक उसी प्रकार हम भी जाकर उस सील को खोल देंगे। जब जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि आपकी गलती की वजह से पत्रकार भवन सील हुआ है भवन शासकीय पैसे से बना है और आप आदर्श आचार संहिता के दौरान कैसे किसी प्रत्याशी के साथ चाय पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं जिसके बाद धरने पर बैठे पत्रकारों ने लिखित में दिया कि हम उस भवन में कोई भी ऐसा कार्यक्रम नहीं करेंगे जिस वजह से आदर्श आचार संहिता का उलंघन हो जिसके बाद जाकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकार भवन के सील को खोल दिया।

मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा बुधवार की रात मनेंद्रगढ़ पत्रकार भवन के गेट पर ताला लगाकर किया सीलबंद, सोशल मीडिया पर सीलबंद फोटो वायरल हुआ। पूरा मामला क्या है। हम विस्तार से आपको अपनी खबर के माध्यम से सत्य से अवगत करा रहे हैं, गुरुवार सुबह लगभग 11: 00 बजे एमसीबी- प्रेस क्लब के सदस्यों द्वारा वीडियो पोस्ट कर विरोध प्रदर्शन किया गया,मनेंद्रगढ़ में पत्रकार भवन को सील किया गया है जिसको लेकर आज मनेंद्रगढ़ के पत्रकार इसे काला दिवस के रूप मनाएंगे चुनाव आयोग किसके इशारे से काम कर रहा है ? तथा की काला कपड़े पहने सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।पत्रकारों ने भवन के सामने बैठ नारे लगाएं एमसीबी- कलेक्टर होश में आओ होश में आओ तुम्हारी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी, पत्रकार एकता जिंदाबाद हम अपना अधिकार मागते नहीं किसी से भीख मागते,प्रशासन की गुंडागर्दी नहीं चलेगी नहीं चलेगी। शोसल मीडिया में पत्रकार फर्जी पत्रकार बोलकर पत्रकारों को टारगेट कर रहे थे। जबकि सच्चाई तब सामने आई जब जिला प्रशासन के अधिकारी द्वारा पत्रकार भवन के गेट का ताला खोल दिया गया।

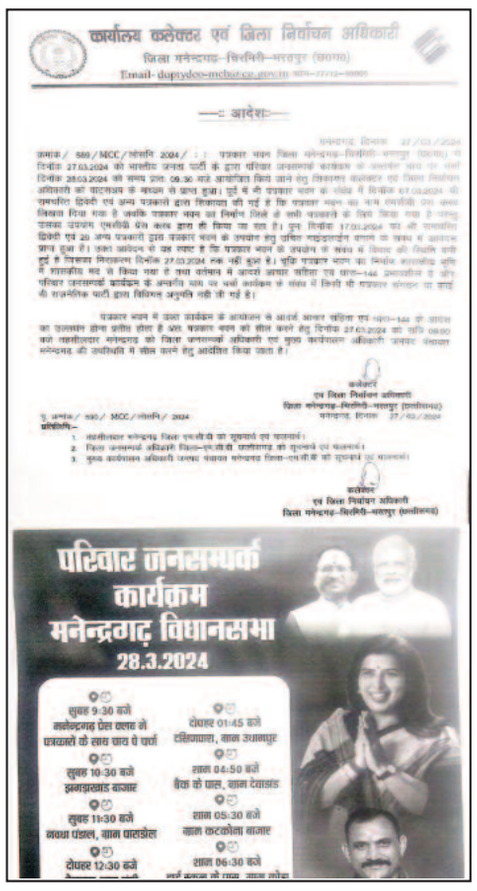

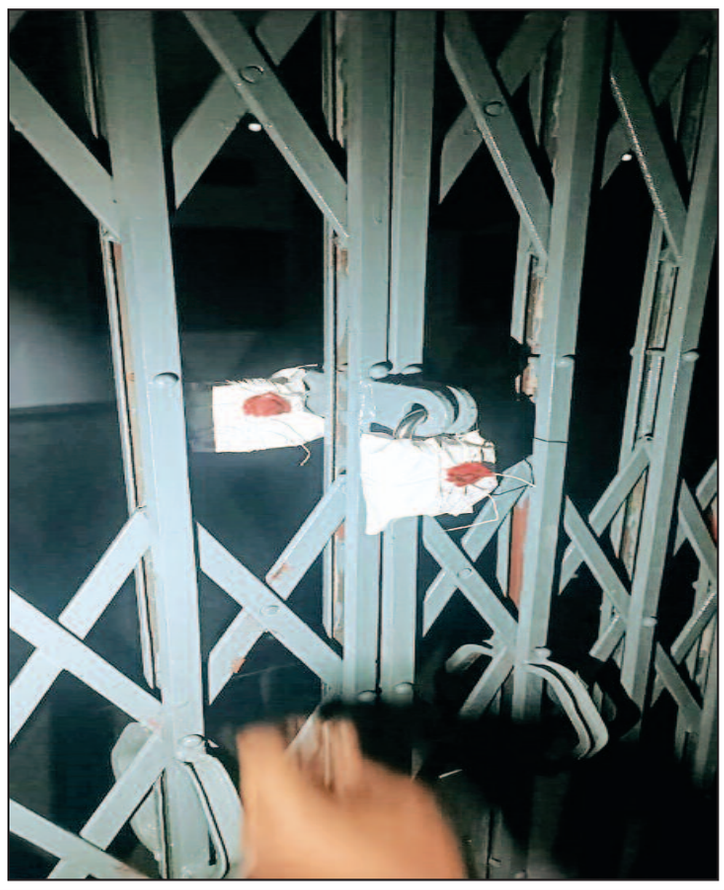

सवाल ताला क्यों लगाया गया था ?

प्रशासन के अधिकारी का जवाब 27 मार्च को यह आया की अन्य राजनीतिक पार्टी द्वारा शिकायत किया गया था जिसमें यह कहा गया कि पत्रकार भवन शासकीय भूमि पर है वहां पर सुबह 28 मार्च को अन्य पार्टी की प्रेस वार्ता सुबह समय 9:30 बजे होने को है जिसे देखते हुए आदर्श आचार संहिता का सीधा-सीधा उल्लंघन है, इसलिए कुछ घंटे के लिए प्रेस वार्ता को टालने के लिए पत्रकार भवन गेट को सील कर दिया गया था। एमसीबी- प्रेस क्लब के पत्रकारों द्वारा लिखित कोई राजनीतिक पार्टी का आचार संहिता पर पत्रकार भवन में प्रेसवार्ता नहीं होगा, आश्वासन देने पर प्रशासन अधिकारी ने गेट का ताला खोला, सवाल यह क्या है एमसीबी-प्रेस क्लब सोशल मीडिया में बने रहने पर अपनी झूठी वाहवाही लूटने कार्य तो नहीं कर रहे हैं? सवाल धारा 144 आचार संहिता का उल्लंघन पत्रकारों ने नहीं किया है, क्या चुनाव आयोग को इन पर कार्रवाई नहीं करना चाहिए?

आचार संहिता के दौरान पत्रकार कैसे बैठे धरने पर ?

एमसीबी प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने पत्रकार भवन में ताले में लगी सील को देखा और बैठ गए धरने पर क्या उन्होंने पहले किसी अधिकारी से बात किया यदि अधिकारियों से बात करते तो इस समय समस्या का हल हो जाता कि ताला कितनी समय खुलेगा परंतु उन्होंने प्रोपेगेंडा कर दूसरों पर आरोप लगाते हुए हल्ला गुल्ला किया और आचार संहिता का उल्लंघन किया।क्या जिला प्रशासन आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज करेगा। वैसे एक पत्रकार ने तो सोशल मिडिया पर प्रशासन को ही चुनौती दे डाली थी और ताला तोड़ने की ही बात कह डाली थी वैसे यह वही पत्रकार हैं जिनको लेकर आम आदमी पार्टी ने शहर में मंच लगाकर विरोध किया था और इनकी करतूतों को उजागर किया था। यह पत्रकार कांग्रेस शासनकाल में अपनी मनमानियों के लिए जाने जाते थे और इन्हे तत्कालीन जनप्रतिनिधियों का ऐसा संरक्षण प्राप्त था की उन्हे हर मनमानी का अधिकार था। कांग्रेस शासनकाल की ही तर्ज पर वह ताला तोड़ने की बात कर रहे थे और जिसके पहले ही ताला प्रशासन के द्वारा खोल दिया गया।

श्री लक्ष्मीनारायण व महाकालेश्वर मन्दिर मसगा में रंग बिरंगो की फूलों की होली धूमधाम से मनाया गया

सरगुजा संभाग के इकलौता भगवान लक्ष्मीनारायण जी का मंदिर है जहां फूलों की होली होती है और हजारो श्रद्धालु भाग लेते है

-संवाददाता-
प्रतापपुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मसगा में भगवान श्री लक्ष्मीनारायण व महाकालेश्वर मंदिर है जहां हर साल की भांति से इस बार भी रंग बिरंग फूल की होली खेली जाती है इस साल भी श्रद्धालुओं के द्वारा मन्दिर में धूमधाम से होली मनाया गया सबसे पहले भगवान लक्ष्मीनारायण जी की आरती करने के बाद उनके चरणों से फूलों की होली शुरुवात की गई स्थानीय कलाकारों के द्वारा धार्मिक रंगा रंग कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में आये दूरदराज के हजारो श्रद्धालु भगवान के भक्ति में जमकर नाचे। कार्यक्रम के दौरान महाप्रसाद वितरण महाभंडारा का आयोजन किया गया इस भंडारे में आज से पहले पूर्वजो जैसा टाटपटी में बैठाकर भोजन कराया गया जाता है।

मन्दिर के मुख्य यजमान दिलबोध मानकुंवर श्याम ने बताया कि हर साल भगवान लक्ष्मीनारायण मन्दिर में रंग बिरंग फूल की होली खेली जाती है और महिलाएं, युवा, बच्चे वरिष्ठजन जमकर होली के रस में झूमते है। हर त्यौहार धूमधाम से मनाया जाता है इस मंदिर प्रांगण में शादी विवाह का कार्यक्रम भी करते है। इस मंदिर से दूर दराज के श्रद्धालुओं का आस्था जुड़ा रहता है। श्रद्धालू अपना मनत लेके आते है और मनोकामना पूरा होता है। इस दौरान मंदिर के मुख्य पुजारी इंद्रेश दुबे,मंदिर समिति मसगा के सुनील श्याम, नवीन जायसवाल, राजेश गुप्ता, सुमन्त प्रजापति, तुपेश्वर राजवाड़े, समलेश गुप्ता, विकाश गुप्ता, अशोक जाय सवाल, शिव कुमार जायसवाल,सनत प्रजापति, श्रवण जायसवाल,श्रीकांत प्रजापति, राजाराम राजवाड़े, ओम प्रकाश जाय सवाल, मंगल तिर्की,अजय जाय सवाल, रवि,विनोद जाय सवाल, रितेश यादव,मोहन भोय, तुलसी दास,बादल सूर्या, संजय जायसवाल,राज कुमार आयाम, देवनाथ राजवाड़े, परमेश्वर कोड़ाकू, सुखराम कोड़ाकू,लक्ष्मण जाय सवाल,जनेश्वर यादव, पप्पू, आशीष, जैकी,अलख निरंजन, विजय, आकाश सहित बड़ी सख्या में श्रद्धालु भाग लेते है।

किसानों की पासबुक और अंगूठा लगा विड्रोल फॉर्म सड़क पर फेंका,किसानो में रोष

शाखा प्रबंधक ने कहा किसी अज्ञात व्यक्ति ने किया है यह काम जिसकी शिकायत थाना में शाखा प्रबंधक में दर्ज कराई

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बैकुण्ठपुर के बाहर किसानों की पासबुक और अंगूठा लगा विथद्रावल फॉर्म सड़क पर पड़े मिले, जिसके बाद किसानों ने उसे उठाकर एक तरफ रखा, जिसके बाद किसानों में काफी गुस्सा भर गया, जब बैंक मैनेजर से इस मामले पर सवाल किया तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की और कार्यवाही करने की बात की। मामले में बैंक प्रबंधक गिरजाशंकर साहू का कहना कि उनका स्टाफ ऐसा नही कर सकता वो बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर कार्यवाही करेंगे। जानकारी के अनुसार कोरिया जिला मुख्यालय स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के बाहर किसानो में उनकी पासबुक और विथद्रावल फॉर्म पड़े मिले, किसानों ने बैंक प्रबंधन पर ही फेंके जाने का आरोप लगाया, जिसे लेकर किसानों में काफी गुस्सा देखा जा रहा है। बैंक मैनेजर से सवाल करने के बाद वो बैंक के बाहर आये और बाहर फेंके पासबुक और फॉर्म को देखने बैंक के बाहर पहुंचे, उन्होंने बैंक के स्टाफ को भी मौके पर बुलाया और मामले की जांच शुरू कर दी, बैंक के लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाने का काम शुरू हुआ। आपको बता दे इन दिनों जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में काफी संख्या के किसान राशि निकलवाने के लिए पहुंच रहे है जहां काफी मशक्कत के बाद उन्हें राशि मिल पा रही है।

शाखा प्रबंधक ने थाने में शिकायत कराई दर्ज

शाखा प्रबंधक इस मामले से अपना पल्ला झाड़ने हुए कहा कि यह किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा किया गया है इसमें बैंक का कोई भी दोस्त नहीं है जिसकी शिकायत सिटी कोतवाली में दर्ज कराई गई।

होली मिलन कार्यक्रम में लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय हुई शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

भाजपा कोरबा लोकसभा की प्रत्याशी डॉक्टर सुश्री सरोज पांडे, और छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन कोरबा जिले में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में हुए शामिल । स्थानीय आशीर्वाद पॉइंट में आयोजित होली मिलन समारोह में कोरबा जिले के सभी विधानसभा से कार्यकर्ता उपस्थित रहे । इस होली की विशेषता यह रही कि यह रंग एवं गुलाल से नहीं बल्कि फूलों की पंखुड़ियों से खेली गई । कार्यक्रम में कोरबा जिला अंतर्गत आने वाले चार विधानसभा कोरबा, रामपुर, कटघोरा एवं पाली तानाखार के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे । इस दौरान प्रत्याशी संग जमकर थिरके भाजपा के सभी कार्यकर्ता । कार्यक्रम में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर सुश्री सरोज पांडे के साथ सभी कार्यकर्ता फोटो खिंचवाने एवं फूलों की होली खेलने उत्साहित नजर आए । डीजे पर चल रहे होली के गानों पर भाजपा प्रत्याशी सुश्री सरोज पांडे छत्तीसगढ़ राज्य के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के साथ कोरबा जिले के चारों विधानसभाओं से आए हुए भाजपा के कार्यकर्ता जमकर थिरके । होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर,पाली तानाखार विधानसभा प्रत्याशी रामदयाल उईके, भाजपा कोरबा जिला संगठन प्रभारी श्री गोपाल साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पूर्व महापौर जोगेश लाम्बा, कोरबा लोकसभा सहसंयोजक मनोज शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, पवन गर्ग, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, जिले के पदाधिकारी, कार्य समिति के सदस्य, मंडलों के अध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष एवं जिले के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे पत्रकार बंधु, समाज के अन्य गणमान्य नागरिको सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

CMYK

क्या कोरिया के पूर्व प्रभारी डीपीएम को स्वास्थ्य मंत्री व कलेक्टर का खुला संरक्षण ?

भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनाव पर बड़ा असर होने की है संभावना

क्या स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा एक पूर्व प्रभारी डीपीएम का बचाव किया जाना भाजपा के प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व की छवि खराब नहीं कर रहा ?

कोरिया के पूर्व स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम सूरजपुर का वित्तीय प्रभार ले लिए लेकिन तबादला के पश्चात कोरिया का वित्तीय प्रभार अभी तक नहीं छोड़ा:सूत्र

स्वास्थ्य मंत्री की छवि के साथ राज्य में भाजपा की छवि सहित केंद्र के यशस्वी प्रधानमंत्री की छवि भी हो रही धूमिल

क्या स्वास्थ्य मंत्री एक पूर्व प्रभारी डीपीएम के लिए अपनी छवि को लगा रहे दांव पर ?

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी की शह पर अब तक नही मिला वित्तीय प्रभार...सीएमएचओ बैठक में कहते है कलेक्टर उसी की सुनते है,क्या यही सही है ?

क्या कोरिया जिले के पूर्व प्रभारी डीपीएम को स्वास्थ्य मंत्री व कलेक्टर का खुला संरक्षण प्राप्त है ?

वैसे कोरिया जिले के पूर्व प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग जिनका हाल ही में तबादला सूरजपुर जिले किया गया है का कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में दखल बराबर बना हुआ है जो कांग्रेस शासनकाल से ही बना हुआ है जो भाजपा शासनकाल में भी पूर्ववत बना हुआ है कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है बल्कि भाजपा शासनकाल में दखल ज्यादा देखने को मिल रहा है और पूरा स्वास्थ्य विभाग उन्ही के नियंत्रण के नजर आता दिखाई दे रहा है। वैसे पूर्व डीपीएम का जिले के स्वास्थ्य विभाग में दखल केवल उनके अकेले के दम पर कायम है ऐसा नहीं है। माना जा रहा है की स्वास्थ्य मंत्री का खुद को भतीजा बताकर वह यह साबित करते रहते हैं की वह स्वास्थ्य मंत्री के परिवार से हैं और उनके मामले में स्वास्थ्य मंत्री कोई भी हस्तक्षेप नहीं करने वाले। वैसे यह भी लोगों का कहना है की कलेक्टर सहित स्वास्थ्य मंत्री का उन्हे खुला संरक्षण है जिसकी वजह से वह आपनी मनमानी करते रहे हैं वहीं आज भी वह उन्ही के संरक्षण में मनमानी करते चले जा रहे हैं और उन्हे कोई रोकने टोकने वाला नहीं है। इस बात की पुष्टि इस बात से होती है की सीएमएचओ कोरिया खुद बैठक में यह कहते हैं की कलेक्टर केवल पूर्व डीपीएम की ही सुनते हैं इसलिए वह कई मामले में खुद मजबूर होते रहे।

-रवि सिंह-
कोरिया/सुरजपुर 28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में स्वास्थ्य विभाग में भर्राशाही चरम पर है, 11 मार्च को कोरिया जिले से तबादला उपरांत भारमुक्त हो चुके स्वास्थ्य विभाग के पूर्व डीपीएम को अब तक सीएमएचओ कोरिया ने नही हटाया है, अभी भी वो विभाग के न सिर्फ व्हाट्सएप ग्रूप में है बल्कि एनएचएम और स्वास्थ्य विभाग के दोनो ईमेल भी अपने मोबाइल से हैंडल कर रहे हैं, बेहद मीठे सीएमएचओ उसे हटा इसलिए नही रहे हैं क्योंकि उसी की कृपा से उनकी कुर्सी बची हुई है। स्वास्थ्य विभाग के लगातार खुलासे से भाजपा की लोकसभा चुनाव की प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनाव पर इसका असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। दैनिक घटती-घटना की खबर के बाद कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, विभाग में अब तक के सबसे होशियार सीएमएचओ की रणनीति से राज्य की भाजपा सरकार की काफी किरकिरी हो रही है, चुनावी समय मे इसका नुकसान भाजपा को होना तय देखा जा रहा है। कांग्रेस सरकार में बीते अक्टूबर 2022 से आज तक स्वास्थ्य विभाग में जमकर वित्तीय अनियमितता बरती गई, जिसमे जिला प्रशासन का पूरा साथ देखा गया, भ्रष्टाचार की वजह से पूरा महकमा नाराज रहा और अब भी नाराज ही है। भाजपा सरकार आई स्वास्थ्य मंत्री संभाग से ही बने पर उन्होंने तो भ्रष्टाचार को ही गले लगा लिया, और कई शिकायत के बाद भी जांच के निर्देश नही दिए हर जगह भ्रष्टाचारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को बचाने में जुटे रहे। खुद को मंत्रीजी का भतीजा बताने वाले कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम ने अब तक कोरिया जिले में वित्तीय प्रभार नही सौंपा है जबकि सुरजपुर जाकर वहां का वित्तीय प्रभार ले लिया है, मंत्री जी एकदम से उस पर मेहरबान हो चुके है। वही कोरिया जिले के सीएमएचओ जो कि पूरी तरह से पूर्व डीपीएम पर ही आश्रित थे अब तक उसे जिले के बाहर नही कर पा रहे है। अब तक जीमेल एकाउंट उससे नही लिया गया है और न ही उसे जिले के स्वास्थ्य विभाग के व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर किया गया है। जिससे साफ है सीएमएचओ और डीपीएम के साथ सहायक लेखपाल मिलकर कुछ दाल में काला करने में लगे है।

राज्य सरकार ने जारी नहीं किया था डीपीएम का आदेश...कांग्रेस सरकार के आदेश का क्या हुआ?

आखिर क्यों वर्ष 2022 में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन ने डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के जिला चिकित्सालय में अनावश्यक प्रवेश पर लगाया था प्रतिबंध?

पूर्व प्रभारी डीपीएम अपने खिलाफ हो रही जांच में पाए जाएंगे पाक-साफ, क्योंकि घंटों जांच अधिकारी के साथ बैठकर जांच को अपने पक्ष में कराने में है जुटे:सूत्र

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है?

घटती-घटना की मुहिम सहित खबर का हुआ असर...
कोरिया से भारमुक्त होकर सूरजपुर में कार्यभार ग्रहण किया प्रभारी डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल ने

कोरिया के पूर्व प्रभारी डीपीएम सूरजपुर का वित्तीय प्रभार ले लिए पर कोरिया का वित्तीय प्रभार अभी तक नहीं छोड़ रहेः सूत्र

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग के पूर्व प्रभारी डीपीएम तबादला किए जाने पश्चात सूरजपुर जिले में जाकर कार्यभार ग्रहण तो कर लिए वहां का वित्तीय प्रभार तो ले लिए लेकिन उन्होंने कोरिया जिले का वित्तीय प्रभार अभी तक नहीं छोड़ा है यह सूत्रों का कहना है और उनका दावा है। क्या पूर्व प्रभारी डीपीएम कोरिया जिले का प्रभार नहीं छोड़ना चाहते क्या उनका कोरिया जिले से मोह भंग नहीं हुआ है अभी वह और भी भ्रष्टाचार जिले में करना चाहते हैं यह सवाल भी खड़ा हो रहा है। पूर्व डीपीएम कोरिया जिले का वित्तीय प्रभार इसलिए भी शायद नहीं छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हे लोकसभा चुनाव उपरांत वापस कोरिया जिले ही आना है यह भी एक संभावना प्रभार नहीं छोड़ने को लेकर बताई जा रही है। वैसे वह अपने कुछ पुराने ऐसे कारनामे छिपाने के लिए भी प्रभार नहीं छोड़ रहे हैं जिनके कारण उनकी कमियां पता चल सकती हैं यह भी एक कारण उनके प्रभार नहीं छोड़ने के पीछे का बताया जा रहा है। वैसे प्रभार नहीं छोड़े जाने मामले में कितनी सच्चाई है यह तो जिले के स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ही बता सकते हैं लेकिन सूत्रों की माने तो वित्तीय प्रभार अभी पूर्व डीपीएम के ही पास है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री का एक तत्कालीन प्रभारी डीपीएम का बचाव करना भाजपा के राज्य व केंद्रीय नेतृत्व की छवि खराब नहीं कर रहा ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का खुद को भतीजा बताने वाले कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम वर्तमान में सूरजपुर डीपीएम के कारण स्वाथ्य मंत्री की छवि धूमिल हो रही है वहीं स्वास्थ्य मंत्री की छवि के साथ भाजपा के प्रदेश सहित केंद्रीय नेतृत्व की छवि धूमिल हो रही है क्योंकि कांग्रेस शासनकाल से स्वास्थ्य विभाग कोरिया में भ्रष्टाचार फैला रहे स्वास्थ्य विभाग को जिले में खोखला कर रहे प्रभारी डीपीएम को भाजपा शासनकाल में भी संरक्षण मिल रहा है जबकि भाजपा शासनकाल में लोगों को उम्मीद थी की डीपीएम पर भ्रष्टाचार को लेकर कार्यवाही होगी। कोरिया जिले से भ्रष्टाचार करते हुए प्रभारी डीपीएम को सूरजपुर जिले भेज दिया गया जो केवल इसलिए भेजा गया जिससे उनका विरोध दबाया जा सके उनकी करनी भ्रष्टाचार को छिपाया जा सके लेकिन सूत्रों की माने तो कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में उनका हस्तक्षेप बराबर बना हुआ है वहीं वह खुद ही जिले के स्वास्थ्य महकमे को संचालित कर रहे हैं। जिले के स्वास्थ्य विभाग के मुखिया पूर्व डीपीएम के इशारे पर ही काम कर रहे हैं और इसके पीछे का कारण यह है की वह स्वास्थ्य मंत्री का खुद को भतीजा बताते हैं वहीं जिसके कारण जिले के आला अधिकारी और प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उनसे भय खाते हैं।

नेम प्लेट भी और चेम्बर भी

कहने को डीपीएम को स्वास्थ्य मंत्री और उनके चाचा ने सुरजपुर भेज दिया है पर अभी उसका चेम्बर भी और चेम्बर के बाहर नेमप्लेट भी उसी के नाम की लगी हुई है, सब जानते हुए स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ चमचई में जुटे हुए है एक संविदा कर्मी की चमचई उन्हें इसलिए करनी पड़ रही है जो उन्होंने स्वयं सभी कर्मचारियों के सामने घड़ियाली आंसू बहाते हुए कह डाली की कलेक्टर उनकी नही डीपीएम की सुनते है। आप सहज अंदाजा लगा लीजिए कि क्या हाल हो गया है जिले के स्वास्थ्य विभाग का, तो राष्ट्रीय कार्यक्रम का क्या हाल होगा।

भाजपा के भ्रष्टाचार मुक्त भारत अभियान को बड़ा आघात लग रहा है

पूर्व डीपीएम कांग्रेस शासनकाल से ही जिले के स्वास्थ्य विभाग को खोखला करने का काम कर रहे हैं वहीं वह कोरोना वैश्विक महामारी के समय भी भ्रष्टाचार से बाज नहीं आए थे और तब भी वह सुर्खियां बटोर रहे थे। अब भाजपा शासनकाल में भी वह अपनी मनमानी कर पाने में इसलिए स्वतंत्र हैं क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री उनके चाचा हैं। वैसे स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा होने का लाभ उन्हे मिल रहा है उन्हे जहां भ्रष्टाचार मामले में कार्यवाही का मुंह देखना था विभाग से बाहर किया जाना था उन्हे उपकृत किया जा रहा है संरक्षण दिया जा रहा है। वैसे पूर्व डीपीएम की वजह से भाजपा के भ्रष्टाचार मुक्त भारत अभियान को बड़ा आघात लग रहा है और प्रदेश सहित केंद्रीय नेतृत्व की छवि धूमिल हो रही है क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री ऐसे मामले में भ्रष्टाचार को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं जिसमे लोगों के स्वास्थ्य का मामला जुड़ा हुआ है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री एक पूर्व प्रभारी डीपीएम के लिए अपनी छवि को लगा रहे दाव पर ?

सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम बनाए गए कोरिया जिले के पूर्व प्रभारी डीपीएम का भ्रष्टाचार मामले में काफी नाम प्रसिद्ध रह चुका है। कांग्रेस शासनकाल से ही स्वास्थ्य विभाग कोरिया में सेंध लगा रहे प्रभारी डीपीएम को लेकर कई बार शिकायत हुई कई बार उनके ऊपर आरोप लगे लेकिन वह हर बार इसलिए बच निकले क्योंकि कांग्रेस शासनकाल में वह सबको अपने अधीन कर चुके थे सभी को अपने वश में कर चुके थे। तब लोगों को और शिकायतकर्ताओं को लगता था की जब सत्ता परिवर्तन होगा तब इनके विरुद्ध जांच होगी और कठोर कार्यवाही होगी और इनके भ्रष्टाचार मामले की जांच होगी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद भी ऐसा कुछ नहीं हुआ बल्कि इन्हे और अधिक संरक्षण मिलने लगा जिसका बखान यह खुद करने लगे और स्वास्थ्य मंत्री को ही चाचा बताकर विभाग में धाक जमाने लगे। वैसे इनकी धाक जम भी गई और स्वास्थ्य मंत्री ने भी इनके मामले में मौन धारण कर लिया और औरों को संतोष का अर्थ बताकर इन्हे भ्रष्टाचार से रोकना वह भूल गए जिसके कारण स्वास्थ्य मंत्री की छवि भी धूमिल होती चली गई जो लगातार धूमिल होती जा रही है। वैसे स्वास्थ्य मंत्री अपनी छवि को पूर्व डीपीएम के मामले में धूमिल करने से भी पीछे नहीं हट रहे वहीं वह इस मामले में वह अपनी छवि से भी समझौता करने तैयार हैं।

सरोज पांडेय के चुनाव में होगा असर

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से लोगो मे खासी नाराजगी है स्वास्थ्य विभाग का अमला गांव गांव तक फैला हुआ है, जो लोकसभा के चुनाव के भाजपा की सरोज पांडेय को काफी नुकसान पहुंचा सकता है ऐसा सूत्र बताते है कि एक बार भी कांग्रेस की सरकार के समय जो लोग लामबंद हुए थे इस चुनाव में भाजपा की सरोज पांडेय के खिलाफ लामबंदी शुरू हो चुकी है, उल्लेखनीय है भी भाजपा सरकार के समय वर्ष 2017 में पूर्व डीपीएम के खिलाफ कांग्रेसियों ने बड़ा प्रदर्शन किया था कई दिन आंदोलन चला था उसके बाद भाजपा की हार हुई थी, वही बीते अक्टूबर 2022 से कांग्रेस ने पूर्व डीपीएम को गले लगा रखा था घटती घटना ने बताया कि सिर्फ स्वास्थ्य विभाग से 10 हजार मतों का कांग्रेस को नुकसान होने वाला है और जब चुनाव का परिणाम आया तो कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, अब भाजपा ने फिर गले लगा रखा है और सामने लोकसभा चुनाव है जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ आमजन से लेकर स्वास्थ्य महकमे में बड़ा विरोध देखा जा रहा है तय है कि इसका खामियाजा भाजपा की सरोज पांडेय को हो सकता है, हालंकि अभी समय रहते सरोज पांडेय ने यदि आमूलचूल परिवर्तन कर डाला तो कुछ हद तक नाराजगी दूर की जा सकती है।

कोरबा पुलिस द्वारा 201 व्यक्तियों के गुम हुए मोबाइलों को लौटाने पर खुश हुई कोरबा की जनता

जनता ने कहा,विश्वास था कि गुम मोबाइल पुलिस जरूर ढूंढ निकालेगी

-संवाददाता-
कोरबा 28 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

साइबर सेल कोरबा की गुम और चोरी हुए मोबाइलों को ट्रेस कर रिकव्हर करने की कार्यवाही नियमित जारी है। पुलिस ने बताया के वर्ष 2021 से साइबर सेल की टीम ने अब तक लगभग 1200 से अधिक गुम और चोरी हुए मोबाइलों को खोजकर उनके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाया है। इन रिकव्हर किये गये गुम मोबाइलों का वर्तमान बाजार मूल्य करीब 01 करोड़ रुपए से अधिक है। गुम / चोरी मोबाइल रिकवर के क्रम में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन व सायबर सेल पर्यवेक्षण अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू बी एस चौहान के मार्गदर्शन पर साइबर सेल प्रभारी सउनि. अजय सोनवानी व उनकी टीम द्वारा विगत दो माह में 201 गुम / चोरी हुए मोबाइलों को रिकवर किया गया, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य करीब 21 लाख रुपए है जिसे सायबर सेल द्वारा

छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के अलावा सीमावर्ती मध्य प्रदेश, उड़ीसा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार से कोरियर के माध्यम से मंगवाये गये हैं। चोरी/गुम हुए मोबाइल के उपयोग करने वालों को साइबर सेल द्वारा कानूनी कार्यवाही की समझाइश देकर रिकवर किए गए मोबाइलों में कई महंगे सेट वीवो, रेडमी, सैमसंग, वन प्लस, रियलमी, के महंगे सेट भी है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरबा में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस चौहान व नेहा वर्मा एवं सायबर सेल पर्यवेक्षण अधिकारी नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविन्द्र मीना द्वारा रिकवर किए गए 201 मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया गया। मोबाइल प्राप्त करते समय मोबाइल स्वामी काफी खुश नजर आए। उन्होंने कोरबा पुलिस को धन्यवाद दिया और बताया कि उन्हें विश्वास था कि गुम मोबाइल पुलिस जरूर ढूंढ निकालेगी। गुम / चोरी मोबाइल रिकव्हर के कार्य में साइबर सेल प्रभारी सउनि. अजय सोनवानी, प्रधान आरक्षक गुनाराम सिंहा, चंद्रशेखर पांडे, राजेश कंवर, आरक्षक प्रशांत सिंह, सुशील यादव, आलोक टोप्पो, विकेश्वर प्रताप सिंह, रवि चौबे, रितेश शर्मा, डेमन ओगरे, महिला आरक्षक रेनू टोप्पो की सराहनीय भूमिका रही है। इस दौरान यह भी जानकारी दी गई कि जिले के साइबर सेल तथा थाना, चौकियों में लगातार गुम और चोरी मोबाइलों के संबंध में आवेदन प्राप्त हो रहा है, इसलिए भारत सरकार, संचार मंत्रालय द्वारा गुम/चोरी हुए मोबाइलों के संबंध में CEIR पोर्टल "Central Equipment Identity Register" की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, जिस पर गुम/चोरी की सूचना ऑनलाइन दिया जा सकता है। यह पोर्टल भारत सरकार द्वारा प्रमाणित है, जिसे वेबसाइट www-ceir-gov-in के माध्यम से उपयोग किया जाता है। पोर्टल पर गुम/चोरी मोबाइल की सूचना देकर मोबाइल को ब्लॉक और फिर अनलॉक किया जा सकता है, जिससे मोबाइल के डाटा सुरक्षित रहता है। साथ ही जब कभी गुम/चोरी मोबाइल पर नया सिम इंसर्ट होता है तो सूचनाकर्ता के दूसरे मोबाइल नंबर पर सूचना चली जाती है। दूसरी ओर इस ऐप में दर्ज गुम/चोरी मोबाइल की शिकायतों पर पुलिस कार्यवाही करती है। साथ ही यह भी बताया गया के अब साइबर सेल द्वारा गुम/चोरी के आवेदन नहीं लिये जा रहे हैं अपितु थाना/चौकी तथा जनता द्वारा स्वयं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरकर तथा दस्तावेज अपलोड कर अपने गुम / चोरी हुए मोबाईल के संबंध में रिपोर्ट दर्ज भी कर सकते है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202403020700199
विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सन्: 2023-2024
बिशुनपुर प.ह.न. 00019 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- शिवनारायण राम भगत,
अनावेदक पक्षकार - छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक शिवनारायण राम भगत आ0 लधडू राम, निवासी ग्राम बिशुनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम बिशुनपुरकला स्थित खसरा नंबर 1/125 रकबा 0.049 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेख में आवेदक के पिता का नाम त्रुटिवश लाहाणुराम दर्ज हो गया है, जबकि वास्तविक नाम लधडू राम है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/04/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/03/2024 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

संक्षिप्त खेल समाचार

हॉकी इंडिया ने श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर बधाई दी

नयी दिल्ली,28 मार्च 2024। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पी आर श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह साथी खिलाड़ियों की बेहतरी में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने नयी एथलीट समिति का ऐलान किया जिसके अध्यक्ष श्रीजेश और चिली महिला हॉकी टीम की डिफेंडर कामिला काराम होंगी।काराम को कार्यकारी बोर्ड में एथलीट समिति का प्रतिनिधि और सह अध्यक्ष बनाया गया है जबकि श्रीजेश सह अध्यक्ष होने के साथ नियोजन और बैठकों में अगुवाई करेंगे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' यह देखकर अच्छा लगा कि पी आर श्रीजेश को एफआईएच में ऐसी भूमिका मिली है जो हॉकी खिलाड़ियों के जीवन को सीधे प्रभावित कर सकती है। उनके पास अपार अनुभव है और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिये वह बहुत कुछ कर सकते हैं।''

आंध्र प्रदेश संघ ने हनुमा विहारी को भेजा कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद,28 मार्च 2024। आंध्र क्रिकेट संघ ने हनुमा विहारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विहारी ने प्रदेश संघ पर विवादित ढंग से उन्हें कप्तानी से हटाये जाने का आरोप लगाने के बाद प्रदेश के लिये दोबारा नहीं खेलने की बात कही थी। कुछ दिन पहले एसीए की शीर्ष परिषद की बैठक के बाद जारी किये गए नोटिस का विहारी ने जवाब नहीं दिया है।एसीए के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने कुछ दिन पहले उसे नोटिस जारी किया है और जवाब का इंतजार है।

उन्होंने आगे कहा कि, हम सिर्फ यह जानना चाहते हैं कि उन्होंने ऐसी प्रतिक्रिया क्यो दी थी। उन्होंने हमसे संपर्क नहीं किया। यह मौका है कि वह अपनी शिकायतें हमारे सामने रखें। हम प्रदेश क्रिकेट के विकास में उनके योगदान की सराहना करते हैं।

सनराइजर्स ने तोड़ा आईपीएल का महारिकॉर्ड

- सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया सबसे बड़ा स्कोर,
- मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की
- मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाए 20 ओवरों में 277 रन
- मैथ्यू वेड,अभिषेक शर्मा,हेनरी क्लासेन और मार्करम की तूफानी पारी

नयी दिल्ली,28 मार्च 2024। हॉकी सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का सबस बड़ा स्कोर बना दिया। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट के नुकसान पर 277 रन बनाए। साथ ही आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बन गया। इससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 2013 में बनाए गए 263 रन का रिकॉर्ड टूट गया। आरसीबी ने यह विशाल स्कोर पुणे वॉरियर्स के खिलाफ खड़ा किया था। अब 11 साल बाद हैदराबाद ने शीर्ष में जगह बना ली है। सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रनों की बरसात कर कई रिकॉर्ड्स बनाए। इसके पहले 10 ओवर में सर्वाधिक रन बने। 10 ओवर के बाद सनराइजर्स का स्कोर 148/2 था। आईपीएल में दूसरी बार सबसे तेज 200 रन बने है। स्त्रा॥ ने यह आंकड़ा 14.4 ओवर में छू लिया। आरसीबी ने 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ 14.1 ओवर में ऐसा किया था।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से हेनरिक क्लासेन ने सर्वाधिक 80 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 63 और ट्रेविस हेड ने 62 रन की पारी खेली। टीम की ओर से 18 छक्के और 19 चौके लगाए गए। अभिषेक ने 16 बॉल, हेड ने 18 और क्लासेन ने 23 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। मुंबई इंडियंस के लिए सिर्फ जसप्रीत बुमराह ने 10 से कम की इकोनॉमी में गेंदबाजी की। बाकी गेंदबाजों ने जमकर रन कुटाए। सबसे महंगे क्रेना मफाका रहे। उन्होंने चार ओवर में 66 रन दिए।

बुमराह को इस्तेमाल करने की रणनीति समझ से परेः स्मिथ

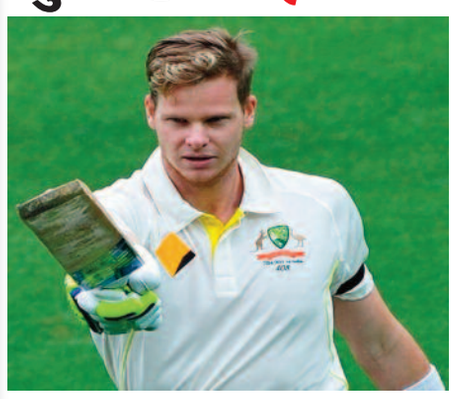

हैदराबाद,28 मार्च 2024। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के बुधवार रात आईपीएल 2024 मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की पारी के 13वें ओवर तक जसप्रीत बुमराह को एक से ज्यादा ओवर न देने के फैसले की हर तरफ आलोचना हो रही है। मेजबान टीम ने 277/3 का स्कोर बनाया, जो आईपीएल के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है। पावर-प्ले में एक ओवर फेंकने के बाद 13वें ओवर में ही बुमराह को दोबारा आक्रमण पर लगाया गया. इस समय तक, सनराइजर्स ने स्कोरबोर्ड पर 173-3 का मजबूत स्कोर बना लिया था, जिससे वे अपने स्कोरिंग में तेजी लाने के लिए मजबूत स्थिति में आ गए थे। बुमराह ने 36 रन देकर अपना चार ओवर का कोटा पूरा किया, और 9 रन प्रति ओवर की इकॉनमी रेट के साथ एमआई के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे। क्रिकेट लाइव शो में स्टार स्पोर्ट्स से पांड्या की रणनीति के बारे में बात करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने कहा कि वह मैच में एमआई के लिए गेंदबाजी में बदलाव से हैरान थे। स्मिथ ने कहा, मैं मुंबई के लिए पहली पारी में उनके गेंदबाजी में कुछ बदलावों से हैरान था। चौथे ओवर में बुमराह ने गेंदबाजी की, उन्होंने 5 रन दिए और फिर हमने उन्हें 13वें ओवर तक दोबारा नहीं देखा, जब वे 173 रन पर थे। सारा नुकसान हो चुका था, आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की जरूरत थी जो वापस आये और उस अवधि में कुछ विकेट ले और मुझे लगता है कि वे उसे 13वें ओवर में वापस लाये तब तक मौका हाथ से निकल चुका था। स्मिथ ने आगे कहा कि अगर बुमराह को पहले आक्रमण में लगाया गया होता, तो हैदराबाद 240 पर सिमट जाती। जब गेंद इस तरह घूम रही होती है, तो आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को अपनी इच्छा से पहले वापस लाना होता है। यह बस चलते-फिरते खुद को ढालने के बारे में है और मैं 15वें, 16वें ओवर तक बुमराह से पूरी गेंदबाजी करा चुका होता, कुछ विकेट लेने की कोशिश करता, अगर वह विकेट लेता है, तो आप वैसे भी गति धीमी कर देते हैं। अगर वह आदमी अंत में बल्लेबाजी कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन गेंदबाजी कर रहा है, हमने आखिरी दो ओवरों में बुमराह के साथ ऐसा देखा और उन्हें भी उनके आखिरी दो ओवरों में मार पड़ी। तो अगर वह पहले वापस आते और कुछ जोखिम लेते, तो चीजें वास्तव में अलग होतीं और उन्हें 277 रन मिले और उन्हें 240 तक कम किया जा सकता था और हो सकता है कि वे उनका पीछा कर लेते, इसलिए मैं बस हैरान था कि उन्होंने केवल 1 ओवर ऊपर फेंका था 13वें ओवर तक। स्थानीय खिलाड़ी तिलक वर्मा ने रन चेज़ में 34 गेंदों में 64 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ गए क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस पर 31 रन से जीत दर्ज की।

मेदवेदेव ने जैरी को हराया

मियामी में सिनर से सेमीफाइनल में टक्कर

फ्लोरिडा,28 मार्च 2024। दानिल मेदवेदेव ने चिली के निकोलस जैरी के दूसरे सेट के संघर्ष पर काबू पाते हुए 6-2, 7-6(7) से जीत दर्ज की और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर से भिड़ेंगे जो ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल का रीमैच होगा। मेदवेदेव ने पहले सेट में जैरी के14 के मुकाबले केवल तीन अप्रत्याशित गलतियां कीं, इससे पहले कि जैरी ने मैच में वापसी की और एक रोलरकोस्टर टाई-ब्रेक में दूसरा सेट चुराने के दो अंक के भीतर आ गए।

रिपोर्ट के अनुसार, लेकिन मेदवेदेव ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी जीत का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ाने का साहस दिखाया और अपने करियर में पहली बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से दो जीत दूर रह गए हैं।

पोथास बांग्लादेश के प्रभारी

हथुरूसिंघे श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे

चैटोग्राम,28 मार्च 2024। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पुष्टि की कि मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि वह व्यक्तिगत कारणों से अपने घर वापस जाएंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक. सहायक कोच निक पोथास दूसरे टेस्ट मैच में हथुरुसिंघे की जगह भरेंगे। दक्षिण अफ़्रीकी क्रिकेटर पोथास पिछले साल अप्रैल में टाइगर्स में शामिल हुए थे। इससे पहले, उन्होंने वेस्टइंडीज और श्रीलंका के लिए अंतरिम मुख्य कोच के रूप में काम किया था । दूसरी ओर, हाथुरुसिंघे फरवरी 2023 में दूसरी बार बांग्लादेश के मुख्य कोच बने । दूसरे टेस्ट मैच से पहले, बीसीबी ने पुष्टि की कि शाकिब अल हसन एक साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापसी करेंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश के लिए आखिरी बार अप्रैल 2023 में मीरपुर में आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट खेला था। वह टीम में तौहीद हृदोय की जगह लेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मेजबान टीम को सिलहट में 328 रन की बड़ी हार मिली। पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन की बात करें तो, मोमिनुल हक ने पूरे दिन साहस दिखाया और श्रीलंका की घातक गेंदबाजी लाइन-अप के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश की। बल्ले के साथ उनके संयम ने श्रीलंकाई गेंदबाजों को बांधे रखा और बांग्लादेश को पहले सत्र से आगे निकलने में मदद की। लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे, जिससे बांग्लादेश 182 रन के स्कोर पर सिमट गया और पहले टेस्ट में 328 रन से हार का सामना करना पड़ा।

जीत के बाद, श्रीलंका ने तीन मैचों में 12 अंक और 33.33 का अंक प्रतिशत हासिल किया, दक्षिण अफ्रीका (25 प्रतिशत) और इंग्लैंड (17.50 प्रतिशत) से आगे निकल गया, और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में बांग्लादेश के साथ छठे स्थान पर है। . बांग्लादेश और श्रीलंका के अंक (12) और अंक प्रतिशत (33.33) समान हैं। पहले टेस्ट परिणाम की जीत से तालिका में कई बदलाव देखने को मिले, जिसमें वेस्टइंडीज श्रीलंका और बांग्लादेश के समान अंक प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया , लेकिन बेहतर अंक तालिका (16) के साथ। पाकिस्तान 36.66 के अंक प्रतिशत के साथ 22 अंक के साथ चौथे स्थान पर आ गया।

मुंबई इंडियंस पर सनराइजर्स की जीत से पैट कमिंस खुश

हैदराबाद,28 मार्च 2024। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस (एमआई) पर अपनी टीम की 31 रन की जीत के बाद, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उन्होंने खेल को अच्छी तरह से समाप्त किया। मैच के बाद की प्रस्तुति में बोलते हुए, कमिंस ने अभिषेक शर्मा की प्रशंसा की और कहा कि वह खेल में प्रभावशाली थे। पिच के बारे में बात करते हुए, स्त्रा॥ कप्तान ने कहा कि यह एक अच्छा विकेट था। उन्होंने कहा कि मेजबान टीम पहली पारी में सकारात्मक और आक्रामक थी, जिसके लिए वे आईपीएल के इतिहास में उच्चतम स्कोर बना सकते थे।

वह पागलपन था। गेंद वास्तव में घूम रही थी। जब तक हमने गेंदबाजी नहीं की, यह आराम के लिए थोड़ा बहुत करीब था। जब भी उन्हें जरूरत पड़ी, उन्होंने बाउंड्री ढूंढ ली, लेकिन हमने इसे अच्छे से पूरा किया। (अभिषेक शर्मा पर) वास्तव में प्रभावशाली, आईपीएल में आप बहुत दबाव के साथ खेलते हैं लेकिन वह बहुत स्वतंत्रता के साथ खेलते हैं। (पहली पारी की योजना पर) आप कभी भी 270 के लिए नहीं खेलते, लेकिन हम सकारात्मक रहना चाहते थे और आक्रामक होना चाहते थे, खेल को आगे बढ़ाना चाहते थे। यह एक अच्छा विकेट था, इसलिए हमें यह जानते हुए इसे भुनाना होगा कि हम कुछ बाउंड्री लगाएंगे। गेंद के साथ स्पष्ट योजनाएँ होना महत्वपूर्ण है, ÷कमिंस ने कहा।

रेसवॉक एथलीट राम बाबू ने ओलंपिक योग्यता की दिशा में अपनी यात्रा शुरू की

नयी दिल्ली,28 मार्च 2024। भारतीय रेसवॉकर राम बाबू, जिन्होंने हाल ही में 20 किमी रेसवॉक में पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, ने सीओवीआईडी -19 महामारी के दौरान अपने कठिन समय के बारे में बताया, जिसने उन्हें काम करने के लिए मजबूर किया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत एक मजदूर के रूप में और तब से उनकी दो सबसे बड़ी उपलब्धियों तक की उनकी यात्रा- पिछले साल एशियाई खेलों में पदक और ओलंपिक योग्यता।

16 मार्च को डुडिंस, स्लोवाकिया में डुडिंस्का 50 2024 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद बाबू ने पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मानक को तोड़ दिया। एशियाई खेलों के पदक विजेता ने एक घंटे और 20 मिनट का समय निकाला (1÷20÷00) और इस आयोजन के लिए पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग मानक को पूरा किया, जो 1÷20÷10 पर निर्धारित है। अपनी योग्यता के बारे में पिछले हफ्ते एएनआई से बात करते हुए, बाबू ने कहा, ÷यह बहुत खुशी की बात है। आखिरकार, जिस चीज के लिए मैंने कड़ी मेहनत की और प्रशिक्षण लिया, वह आखिरकार सच हो गई।

बड़े मियां छोटे मियां का ट्रेलर जारी

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने किया जबरदस्त एक्शन

बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म के टीजर और गाने सामने आने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शकों का उत्साह देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने आज बड़े मियां छोटे मियां का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर बेहद ही दिलचस्प

है। इसमें अक्षय-टाइगर जबर्दस्त एक्शन करते नजर आए हैं। बड़े मियां छोटे मियां के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर गोलीबारी और बम धमाके के साथ-साथ दमदार एक्शन से भरपूर है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अलग ही लेवल का स्टंट करते दिखाई दिए हैं। इसमें दोनों सितारे देश के एक ऐसे दुश्मन का खात्मा करने निकले हैं, जिसके बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं है। ये दुश्मन देश की तबाही का सपना लिए बैठा है। फिल्म में दुश्मन के साथ अक्षय-टाइगर की जंग देखने को मिलेगी।टाइगर और अक्षय ट्रेलर में बोलते नजर आ रहे हैं, दिल से सोलजर दिमाग से शैतान हैं हम..बच के रहना हमसे हिंदुस्तान हैं हम। अक्षय-टाइगर की जोड़ी अपने अंदाज में दुश्मन को हराने में लग जाती है। मगर ट्रेलर के आखिर में ये एक्शन जोड़ी एक-दूसरे की ही दुश्मन बन जाती है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ-साथ मानुषी छिल्लर, सोनाक्षी सिन्हा भी जबरदस्त अभिनय करती दिखाई दी हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, अलाया एफ और मानुषी छिल्लर के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। फिल्म को अली अब्बास जफर ने लिखा और निर्देशित किया है। इसके निर्माता वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर हैं। फिल्म ईद के मौके पर बड़े पर्दे पर 10 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी।

अवनीत कौर ने बैकलेस बॉडीकॉन ड्रेस पहन दी सेक्सी पोज

एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मचा रहीं तहलका

बॉलीवुड और टीवी सीरियल स्टार अवनीत कौर ने हाल ही में अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं। जिसमें अदाकारा बैकलेस ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं।बॉलीवुड और टीवी सीरियल अदाकारा अवनीत कौर ने हाल ही में अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है। अवनीत कौर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर कीं। इन बोल्ड तस्वीरों में एक्ट्रेस बैकलेस ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं। जिसके बाद लोग एक्ट्रेस की बोल्डनेस को देख दांतों तले उंगली दबाते दिखे। अदाकारा की इन तस्वीरों पर फैंस ने भी जमकर कमेंट्स किए। यहां देखें टीकू वेड्स शेरू स्टार की बोल्ड बैकलेस ग्रीन ड्रेस की फोटोज।अदाकारा अवनीत कौर ने हाल ही में अपना बोल्ड अवतार फैंस को दिखाया है। जिसमें एक्ट्रेस बेहद बोल्ड और सिजलिंग नजर आईं। अदाकारा अवनीत कौर ने अपने इस बोल्ड फोटोशूट के दौरान कई तरह की तस्वीरें क्लिक करवाईं। जो इस वक्त फैंस का दिल धड़का रही हैं। सामने आईं अदाकारा की इन लेटेस्ट तस्वीरों में अदाकारा अवनीत कौर बेहद बोल्ड और ब्यूटीफुल नजर आईं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें धड़ल्ले से वायरल होती दिखीं। इस बैकलेस ड्रेस में अदाकारा अवनीत कौर अपनी पीठ पर बना टैटू फैंस को फ्लॉन्ट करती दिखीं। अदाकारा की इन तस्वीरों पर लोग दिल हार गए हैं। अदाकारा ने इस दौरान अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है।

श्रेयस तलपड़े की कर्तम भुगतम की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अभिनेता श्रेयस तलपड़े पिछले कुछ समय से अपनी आगामी फिल्म को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं, जिसका नाम कर्तम भुगतम है।इस फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासनी जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।सोहम पी शाह ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।अब निर्माताओं ने कर्तम भुगतम की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म 17 मई, 2024 को सिनमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।कर्तम भुगतम को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।फिल्म का नया पोस्टर भा सामने आ चुका है, जिसमें श्रेयस के साथ विजय राज की झलक दिख रही है।कर्तम भुगतम से पहले श्रेयस फिल्म लव यू शंकर में दिखाई देंगे, जो 19 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।श्रेयस ने हाल ही में तुषार कपूर के साथ अपनी नई फिल्म कपकपी का ऐलान किया था।फिल्म के बारे में बात करते हुए श्रेयस तलपड़े ने कहा, मेरे लिए कर्तम भुगतम एक सार्वभौमिक सत्य है। जो आप करोगे वही आपके सामने आएगा। जब मैंने फिल्म की कहानी और इसका टाइटल सुना तो मैं तुरंत फिल्म की ओर आकर्षित हो गया। फिल्म की कहानी इसके नाम की तरह ही अनोखी और रोचक है।निर्देशक सोहम पी. शाह ने कहा, फिल्?म कर्तम भुगतम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जो कर्म की जटिल कार्यप्रणाली से संबंधित है। हमारी फिल्म ज्योतिष और मानव भाग्य के बीच गहरे संबंध की पड़ताल करती है।

पीडीएस मामले को लेकर कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस बोली- मुफ्त राशन योजना और युवाओं को मिलने वाला भत्ता बंद तो सीएम विष्णुदेव साय ने जवाब में कहा सभी योजनाएं हैं जारी

रायपुर,28 मार्च 2024(ए)। लोकसभा चुनाव की खुमारी अब सर चढ़कर बोलने लगी है। कांग्रेस और बीजेपी में भी जुबानी जंग छिड़ गई है। आज सोशल मिडिया पर कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया तो सीएम साय सरकार ने भी उसी अंदाज़ में जवाब दिया है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार ने मुफ्त राशन की योजना को बंद कर दिया है, जिसका सीधा असर प्रदेश की गरीब जनता पर पड़ रहा है। वहीं कांग्रेस के दावों को सीएम विष्णुदेव साय ने झूठा बताते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। सीएम साय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये केवल अफवाह है, योजना पहले की तरह ही चल रही है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है।

कांग्रेस का सोशल मीडिया में ऐसे लगा आरोप

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर इस तरह का पोस्ट डाला है। 'कांग्रेस सरकार में मिलने वाला हर सदस्य का 7 किलो चावल हुआ बंद-नमक हुआ बंद-चना हुआ बंद मोदी की गारंटी इस कदर काम कर रही है कि लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महतारी वंदन योजना की राशि आनी भी बंद हो जाएगी। बंद न होगी तो कटौती तो शुरू हो ही जाएगी।' हर गरीब का अधिकार है कि उसे रोटी, कपड़ा, मकान मिले, लेकिन ये दुर्भाग्यजनक स्थिति है कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही गरीबों के हित में फैसला नहीं ले रही है। छत्तीसगढ़ में 5 साल से जो योजना चल रही थी, खासतौर पर राशन की, उसे बंद कर दिया गया है।

योजना यथावत जारी, लोग दुष्प्रचार कर रहेः सीएम साय

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि कुछ लोग दुष्प्रचार कर रहे हैं कि पीडीएस संबंधित पिछली सरकार की योजनाओं को बंद कर दिया गया है। पहली बात तो यह है कि पिछली सरकार ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की जन हितैषी योजनाओं का ही नाम बदलकर उसे आगे बढ़ाया था।पीडीएस से संबंधित सभी लाभ यथावत जारी हैं। कांग्रेस के दावों को सीएम विष्णुदेव साय ने झूठा बताते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। सीएम साय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये केवल अफवाह है, योजना पहले की तरह ही चल रही है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा हुए बरी

किसी मामले में 18 दिन रहना पड़ा था जेल में

रायपुर,28 मार्च 2024(ए)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच डिप्टी सीएम विजय शर्मा को एक बड़े मामले में जीत हासिल हुई है। दरअसल 2021 में तत्कालीन खाद्य अधिकारी अरूण मेश्राम ने विजय शर्मा और कैलाश चंद्रवंशी गरीबों का राशन कार्ड बनवाने गए थे। उसी दौरान खाद्य अधिकारी अरुण मेश्राम ने जातिसूचक गाली देने का आरोप लगाकर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। विजय शर्मा और कैलाश चंद्रवंशी पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस ठोका गया था। इस मामले में वर्तमान डिप्टी सीएम 18 दिन के लिए जेल भी गए थे। आज इसी मामले में जिला न्यायालय में फैसला सुनाया। डिप्टी सीएम विजय शर्मा और कैलाश चंद्रवंशी को दोषमुक्त किया गया है।

डिप्टी सीएम ने कहा

जिला न्यायालय में अंतरिम सुनवाई के दौरान जिला सत्र न्यायाधीश सत्यभामा अजय दुबे ने फैसला सुनाते हुए डिप्टी सीएमको दोषमुक्त करार दिया। इस पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि तत्कालीन मंत्री मोहम्मद अकबर की शह पर हम पर फर्जी एट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। आज सच सबके सामने आ गया है। उस दौरान मोहम्मद अकबर लोगों की आवाज दबाने के लिए फर्जी एक्ट लगवाकर कारवाई कराने का काम करते थे।

उन्होंने कहा कि हमने किसानों और गरीबों की आवाज उठाई थी। जिसके बदले एक अधिकारी के मार्फत फर्जी एट्रोसिटी एक्ट लगवाया गया। जबकि उस अधिकारी के पास राशन कार्ड की समस्याएं लेकर हम पहुंचे थे। जिसकी वीडियो भी हमारे पास उपलब्ध है। लेकिन आज हम इस मामले में दोषमुक्त हुए हैं। जिसके लिए सम्माननीय न्यायालय को धन्यवाद देता हूं।

संक्षिप्त खबर

महतारी वंदन योजना की दूसरी किश्त 1 अप्रैल को ट्रांसफर

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। महतारी वंदन योजना की दूसरी किस्त पर बड़ा अपडेट सामने आया है। सीएम विष्णु देव साय ने मंच से घोषणा करते हुए कहा, कि इस बार महतारी वंदन योजना की राशि 1 तारीख को आएगी।

नितिन नबीन को मिली छत्तीसगढ़ प्रभारी की जिम्मेदारी

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने प्रदेश के सह प्रभारी नितिन नबीन को प्रदेश प्रभारी नियुक्त कर दिया है। अभी तक प्रदेश के प्रभारी ओम माथुर थे। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में सह प्रभारी के रूप में नितिन नबीन के द्वारा किए गए कामों को देखते हुए पार्टी ने उन्हें इस बार बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

अधिक कीमत पर जमकर हुई शराब की बिक्री

शिकायत सही पाए जाने के बाद 16 दुकानों के सुपरवाइजर्स को हटाने का दिया गया आदेश

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। होली के त्यौहार और इससे पूर्व सरकार की शराब दुकानों में बैठने वाले कर्मचारियों ने खुलेआम अधिक कीमत पर शराब की बोतलें बेचीं। इस दौरान लोगों की शिकायत पर आबकारी विभाग के अमले ने दुकानों पर जाकर औचक जांच की। शिकायत सही पाए जाने के बाद रायपुर जिले की 16 शराब दुकानों के सुपरवाइजरों को हटाने का आदेश जारी कर दिया गया है।

प्रिंट रेट से ज्यादा दर पर बिकी

आबकारी उपायुक्त विकास कुमार गोस्वामी ने बताया कि शराब दुकानों में बतौर ग्राहक शराब की खरीदी किये जाने पर जहां भी अधिक कीमत पर बिक्री पाई गई, वहां कार्यरत सुपरवाइजर को हटाने की कार्यवाही की गई है। जिले की शराब दुकानों में एक फर्म द्वारा कर्मचारी मुहैया किये गए है। इस कंपनी को कुल 16 सुपवाइजर्स की लिस्ट भेज कर इन्हें हटाने का निर्देश दिया गया है।

होली के मौके पर सर्वाधिक बिकती है शराब

वर्ष में होली का मौका ऐसा होता है, जब शराब दुकानों में सर्वाधिक बिक्री होती है। ऐसे मौके पर इन दुकानों में अधिक बिकने वाले ब्रांड के शराब प्रिंट रेट से ज्यादा दर पर बेचे गए। ग्राहकों ने इसका विरोध भी किया तो कर्मचारियों ने उल्टे धौंस दिखा दी कि जहां शिकायत करना है कर लो।

बदली हुई सरकार में इस तरह की शिकायत को आबकारी विभाग के अधिकारियों ने गंभीरता से लिया और जांच के बाद 16 सुपरवाइजरों को बर्खास्त कर दिया। बताया यह भी गया है कि अभी और दुकानों में भी कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई से शराब दुकानों में हड़कंप की स्थिति है।

शराब के कृत्रिम शॉर्टेज की भी शिकायत

होली के मौके पर शराब दुकानों में पहुंचने वाले ग्राहकों को निराशा तब हुई, जब उनके मनपसंद गोवा जैसे ब्रांड की बोतल नहीं मिली। कई दुकानों में ऐसी स्थिति थी। पूछने पर दुकान में मौजूद कर्मियों द्वारा दलील दी गई कि वेयर हाउस में उन्हें इस तरह के ब्रांड की बोतलों के लिए अधिकारियों को चढ़ावा देना पड़ता है। नहीं देने पर उन्हें गोवा जैसे ब्रांड का स्टॉक नहीं होना बता दिया जाता है।

इस संबंध में पूछे जाने पर आबकारी उपायुक्त विकास कुमार गोस्वामी ने कहा कि दुकानों का स्टॉक और कीमत ऑनलाइन देखा जा सकता है। वहीं वेयर हाउस में स्टॉक नहीं होने पर ही शराब की संबंधित ब्रांड नहीं दी जाती है, अन्यथा पर्याप्त स्टॉक होता है।

बहरहाल ओवर रेट पर शराब बेचे जाने के बाद पहली बार बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। मगर जिस तरह पूर्व में ऐसे मामलों में संबंधितों के खिलाफ स्रढ्ढक्र का प्रावधान था, ऐसा इस बार नहीं किया गया है। वहीं प्रदेश की राजधानी में भी इस तरह खुलेआम ओवर रेट पर शराब की बिक्री पर स्थानीय आबकारी अमले का संरक्षण न हो ऐसा संभव नजर नहीं आता है।

टिकट मिलने पर लखमा ने किया मजाक

बेटे के लिए बहू तलाशने गया था पार्टी ने मुझे दुल्हन सौंप दी

रायपुर/जगदलपुर,28 मार्च 2024 (ए)। सभा को संबोधित करते हुए कवासी लखमा ने बेहद मजाकिया अंदाज में कहा- मैं तो अपने बेटे के लिए बहु तलाशने गया था। लेकिन पार्टी ने मुझे दुल्हन सौंप दी है। चुनाव नजदीक आते ही हर बार की तरह इस बार भी मंत्री कवासी लखमा अपने ठेठ अंदाज़ और बयान को लेकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं।

जगदलपुर के लालबाग मैदान में नामांकन सभा का आयोजन हो रहा था। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए कवासी लखमा ने बेहद मजाकिया अंदाज में कहा- मैं तो अपने बेटे के लिए बहु तलाशने गया था। लेकिन पार्टी ने मुझे दुल्हन सौंप दी है। कवासी लखमा के इस बयान ने कांग्रेस के अंदर टिकट को लेकर हुई रस्साकसी को भी स्पष्ट कर दिया है।

बेटे को टिकट दिलाना चाहते थे

लखमा के इस बयान के बाद सभा में ठहाके लगाने लगे थे। दरअसल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का टिकट काटकर बस्तर लोकसभा से कांग्रेस ने कोंटा विधानसभा से 6 बार के विधायक कवासी लखमा को प्रत्याशी बनाया है। टिकट की रस्साकस्सी के दौरान कवासी लखमा दिल्ली तक पंहुचा गए थे। लखमा चाहते थे कि, पार्टी उनके बेटे और सुकमा जिला के पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी को टिकट दे, लेकिन पार्टी ने आखिर में कवासी लखमा को ही प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

दीपक बैज के गुट को भी साधना होगा

सभा को सम्बोधित करते हुए कवासी लखमा ने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को पार्टी का सबसे बड़ा नेता बताया और कहा कि, उनके गुट को भी साधना जरूरी है। क्योंकि कवासी लखमा जानते हैं कि, अगर उन्हें बस्तर में जीतना है तो उन्हें पीसीसी चीफ दीपक बैज के गुट को भी साधना होगा।

बैलेट से चुनाव संभव नहीं

भूपेश बघेल के बयान पर पूर्व चुनाव आयुक्त ने कही बड़ी बात

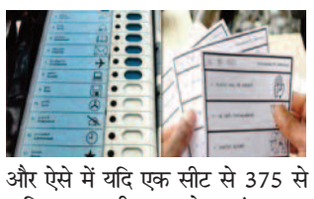

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल भूपेश बघेल ने पाटन के कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को तैयार रहना होगा। सभी कार्यकर्ता चुनाव के लिए नामांकन करेंगे तो ईवीएम की संख्या कम पड़ जाएगी और ऐसे में यदि एक सीट से 375 से अधिक प्रत्याशी हुए तो वहां चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव होगा। ऐसे में कांग्रेस की जीत निश्चित है। लेकिन निर्वाचन आयोग के पूर्व आयुक्त ने भूपेश बघेल के अरमानों पर पानी फेर दिया है। दरअसल भूपेश बघेल के 375 से ज्यादा प्रत्याशी होने पर बैलेट से चुनाव कराना होगा वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ सुशील त्रिवेदी ने कहा है कि 375 से ज्यादा प्रत्याशी होने पर मतपत्र से चुनाव कराने का कोई नियम नहीं। वर्तमान में 24 ईवीएमआपस में हो सकती है लिंक, एक में 16 नाम होते हैं। जरूरत पढ़ने पर निर्वाचन आयोग तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। व्यवहारिक रूप इतने प्रत्याशियों के लिए बैलेट से चुनाव संभव नहीं। अगर ऐसा हुआ तो बैलेट की जगह रजिस्टर बनाना पड़ेगा, गद्दे रखने वाली पेटियों को मतपेटी बनाना पड़ेगा।

सुरेंद्र दास वैष्णव ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर लगाया गंभीर आरोप

डरा धमकाकर राजनीति करते है भूपेश बघेल, निष्कासित कांग्रेस नेता का आरोप

राजनांदगांव,28 मार्च 2024 (ए)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भरे मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाकर सुरेंद्र दास वैष्णव सुर्खियों में आए थे। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी ने उन्हे 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। जिसके बाद आज फिर सुरेंद्र दास वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। और एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कई गंभीर आरोप लगाए। इन आरोपों पर उन्होने खुले मंच में बातचीत की चुनौती भी दी।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ खुटेरी के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाषण देकर सुरेंद्र दास वैष्णव सुर्खियों में आए थे। सुरेंद्र दास वैष्णव को कांग्रेस पार्टी ने 6 वर्ष के लिए कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया है। निष्कासित किए जाने की खबर के बाद उन्होंने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सुरेंद्र दास वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कांग्रेस पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड बना देने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भय और आतंक की राजनीति करने का आरोप लगाया है और कहा है कि जिला पंचायत उपाध्यक्ष रहते हुए मैंने भाजपा सरकार का पुरजोर विरोध किया लेकिन कभी भी मेरे मन में असुरक्षा का भाव नहीं आया। वहीं उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बार आपका विरोध करने पर मुझे और मेरे परिवार को सुरक्षा की जरूरत महसूस हो गई। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में चुनाव के पहले अपने छत्तीसगढ़ की जनता से जो वादे किए उसे नहीं निभा पाए। इस कारण कांग्रेस की सरकार प्रदेश में आपके हाथ से फिसल गई।

जांजगीर में शिवकुमार डहरिया का विरोध

बाहरी को टिकट देने पर भड़के स्थानीय कांग्रेसी

रायपुर/जांजगीर,28 मार्च 2024 (ए)। भूपेश बघेल, देवेंद्र यादव, शशि सिंह और ताम्रध्वज साहू के बाद अब शिवकुमार डहरिया के खिलाफ जांजगीर के स्थानीय कांग्रेसियों ने मोर्चा खोल दिया है। बाहरी को लोकसभा टिकट देने पर विरोध जता रहे है। जिसके बाद शिवकुमार डहरिया का वहां से जीत पाना मुश्किल हो गया है। वही देखा जाए तो कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों का भारी विरोध हो रहा है। इसी के चलते ही कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने लगे हैं। कार्यकर्ताओं के विरोध और पार्टी छोड़कर जाना कांग्रेस के लिए भारी पड़ सकता है। ऐसे में ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि कांग्रेस को इन पांच सीटों में भाजपा के अलावा अपने ही नेताओं से मुकाबला करना होगा। बात राजनांदगांव सीट की करें तो यहां सुरेद्र दाऊ नाम के कार्यकर्ता ने भरे मंच से भूपेश बघेल की पोल खोलकर रख दी थी। ऐसे में एक बात तो तय है कि इन सीटों में जीत के लिए कांग्रेस को कड़ी मशक्कत करनी होगी।

खराबी कांग्रेस पार्टी में है ईव्हीएम में नहीं

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बैलेट पेपर से चुनाव लड़वाने की मांग पर मंत्री टंकराम वर्मा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई-नई टेक्नोलॉजी विकसित हो रही है। जब वे चुनाव जीते थे तब भी ईवीएम था। ईवीएम पर दोष देना उचित नहीं वे अपनी कमियों को समझें। इसके साथ ही नितीन नबीन को प्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेस के बलि का बकरा बनाए जाने के बयान पर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि पहले ओम माथुर प्रभारी थे, उनके नेतृत्व में भाजपा को बहुमत मिला। बलि का बकरा बनाने वाली कोई बात ही नहीं है। नितिन नबीन को प्रमोट किया गया है. उनके नेतृत्व में हम 11 की 11 सीटे जीतेंगे। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बैलेट पेपर से चुनाव लड़वाने की मांग पर मंत्री टंकराम वर्मा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई-नई टेक्नोलॉजी विकसित हो रही है। जमाना कहां से कहां पहुंच गया, देश दुनिया की खबरों को हम मोबाइल पर देख रहे हैं। खराबी ईवीएम में नहीं, उनकी पार्टी में है।

नक्सलियों ने मोबाइल टॉवर में लगाई आग

कोण्डागांव,28 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही जहां एक ओर राजनीतिक गलियारों में हलचल है तो वहीं दूसरी ओर नक्सलियों ने आतंक मचाया हुआ है। बीती देर रात नक्सलियों ने उत्पात मचाया। जहां उन्होंने ग्राम पंचायत केजंग के एक मोबाइल टावर पर आग लगा दी। इतना ही नहीं इन नक्सलियों ने आगजनी के बाद घटना स्थल पर बैनर पोस्टर भी लगाए। यह पूरा मामला बयानार थाना क्षेत्र के केजंग गांव का बताया जा रहा है।

दरअसल, बीती देर रात नक्सलियों ने ग्राम पंचायत केजंग के मोबाइल टावर पर आग लगी दी जिससे मोबाइल टावर का कंट्रोल पैनल जलकर खाक हो गया। इसके बाद आसपास के इलाके में इस आगजनी की घटना के बाद दहशत का माहौल देखा गया। नक्सलियों ने इस आगजनी की घटना के बाद घटना स्थल पर एक बैनर पोस्टर भी लगाया।

नकली दूध और पनीर बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

दुर्ग,28 मार्च 2024 (ए)। जिले के पाटन ब्लॉक में नकली दूध और पनीर बनाने का प्रोसेसिंग यूनिट जब्त किया है। यहां खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी करके बड़े पैमाने पर नकली दूध, पनीर, दूध पाउडर, यूरिया, कैमिकल और आयल जब्त किया है। खाद्य अधिकारी का कहना है कि सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद भी आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग के फूड सेफ्टी अधिकारी छीर सागर पटेल ने बताया कि उन्हें बुधवार रात सूचना मिली थी कि पाटन के देमार गांव में नकली दूध और पनीर बनाया जा रहा है। उन्होंने पाटन पुलिस की मदद से देर रात छापेमारी की। इसके बाद टीम गुरुवार सुबह 11 बजे तक यहां कार्रवाई करती रही। कार्रवाई के दौरान पाटन के नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिंह भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग की टीम ने सैंपल ले लिया है। सैंपल फेल हुआ तो यूनिट संचालक के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्वाई की जाएगी।

रायपुर रेलवे स्टेशन में लगी भीषण आग, कैंटीन सहित 2 दुकानें जलकर खाक

रायपुर,28 मार्च 2024 (ए)। रेलवे स्टेशन में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आकर कैंटीन सहित 2 दुकानें जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलने पर पहुंची जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। आशंका है कि शार्ट सर्किट के चलते हादसा हुआ है।जानकारी के मुताबिक, रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 7 पर देवभोग के मिल्क पार्लर और उसके बगल में स्थित एक कैंटीन में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बढ़ती देख स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान प्लेटफार्म पर एक ट्रेन भी खड़ी थी।

लोगों ने इस घटना की जानकारी रेलवे प्रबंधन और फायर ब्रिगेड को भी दी, लेकिन वो काफी देर तक नहीं पहुंचे। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने रेलवे कर्मचारियों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दोनों दुकानें जलकर खाक हो चुकी थीं। हादसे से लाखों रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)